लखनऊ

सोमवार 2 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 191

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जीवन खूबसूरत तब बनता है जब जीत की उम्मीद, हार के डर से ज़्यादा मजबूत हो जाती है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

'कट मनी' को लेकर भाजपा ने ममता को घेरा, प. बंगाल में विकास की उम्मीद जगा रही भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में आज एक मार्च से अपनी परिवर्तन यात्रा की शुरुआत कर दी। पहले ही दिन पार्टी ने टीएमसी सरकार में हो रहे कथित भ्रष्टाचार पर निशाना साधा। पार्टी ने लोगों से प. बंगाल में सत्ता में आने पर 'कट मनी' वाले कुशासन से मुक्ति दिलाने का वादा किया। पार्टी ने ममता बनर्जी के 15 साल के शासन में पश्चिम बंगाल के विकास की दौड़ में ठहर जाने का आरोप लगाया। भाजपा ने परिवर्तन यात्रा में लोगों से वादा किया कि वे सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल का पुराना गौरव वापस लाएंगे और राज्य में औद्योगिक विकास और रोजगार को गति देंगे। भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल के शहरी और ग्रामीण इलाकों में अलग-अलग चुनावी रणनीति पर काम कर रही है। वह शहरी इलाकों में लोगों को बता रही है कि ममता बनर्जी के सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में नया निवेश आना बंद हो गया जिससे पश्चिम बंगाल में रोजगार का निर्माण नहीं हुआ। उसका वादा है कि उसके सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में गुजरात-महाराष्ट्र की तर्ज पर औद्योगिक विकास किया जाएगा। इसके अलावा शहरी वोटरों को कोलकाता के सांस्कृतिक गौरव की वापसी की बातों से भी आकर्षित करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, ग्रामीण इलाकों में पार्टी केंद्र सरकार के किसानों के लिए किए गए कामकाज को गिना रही है। मतदाताओं को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, मछली पालन को बढ़ावा देने और नारियल-जूट के विकास के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी जा रही है। पार्टी ग्रामीण इलाकों में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के सहारे लोगों को स्वरोजगार पाने में हुई मदद के बारे में जानकारी दे रही है। ग्रामीण मतदाताओं से पार्टी यह वादा कर रही है कि उसके सत्ता में आने पर किसानों, मछली पालकों को विकास के पर्याप्त अवसर दिए जाएंगे।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के लगाए आरोप, ममता बनर्जी 6 मार्च को देंगी धरना

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य की वोटर लिस्ट में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ छह मार्च को दोपहर दो बजे से कोलकाता के मेट्रो चैनल पर धरना देंगी। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट के सुधार (एसआईआर) में भारी धांधली हुई है। मीडिया वार्ता में अभिषेक बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग ने पहले से तय टारगेट पूरा करने के लिए आम लोगों के नाम जबरदस्ती हटा दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें 243 ऐसे लोगों के फोन आए हैं जो जिंदा हैं, लेकिन लिस्ट में उन्हें मृत दिखा दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य की कैबिनेट मंत्री शशि पांजा और मुख्य सचिव नंदिनी मुखर्जी जैसे बड़े नामों पर भी फैसला अटका हुआ है, तो आम जनता का क्या हाल होगा? टीएमसी नेता ने क्रिकेटर ऋचा घोष, मंत्री गुलाम रब्बानी और नोबेल विजेता अमर्त्य सेन का नाम जांच के दायरे में रखने पर आयोग की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग बीजेपी को वोट नहीं देते, उनके नाम चुन-चुनकर हटाए गए हैं।

पुडुचेरी को 2700 करोड़ की बड़ी सौगात, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और डीएमके शासन पर साधा निशाना

पुडुचेरी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुडुचेरी दौरे के दौरान 2700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुडुचेरी आना उनके लिए सम्मान की बात है और यह संतों, कवियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि रही है। उन्होंने याद दिलाया कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने इसी धरती से राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं पहले यहां आया था, तो मैंने 'BEST पुडुचेरी' का मंत्र दिया था- जिसका मतलब है बिजनेस, एजुकेशन, स्पिरिचुअलिटी और टूरिज्म। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े चार वर्षों में यह विजन फल दे रहा है। पुडुचेरी में अच्छा शासन और विकास हुआ है। जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश एक ही विजन और लगन से काम करते हैं, तो नतीजे तेजी से और बेहतर होते हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर को रिकॉर्ड बजट

पीएम मोदी ने कहा कि देशभर में उच्च गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में 12 लाख करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटित किए गए हैं। इससे पुडुचेरी में बेहतर सड़कें, पेयजल आपूर्ति, तटीय ढांचा, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पुडुचेरी को कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत विशेष सहायता दी गई है, जो पहले केवल राज्यों के लिए उपलब्ध थी। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज्यादा फंडिंग का मतलब है बेहतर सड़कें, पानी की सप्लाई, कोस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल, अस्पताल और ऐसे कई प्रोजेक्ट।

शिक्षा और युवाओं को बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मजबूत और सशक्त युवा हमारी तरक्की की नींव है। हम सपनों को सपोर्ट करने के लिए काम कर रहे हैं। एनआईटी कराईकल में नया डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और मॉडर्न हॉस्पिटल की सुविधाएं कई स्टूडेंट्स के लिए टेक्निकल एजुकेशन को मजबूत करेंगी। पुडुचेरी विश्वविद्यालय में भी आधारभूत ढांचे का विस्तार किया गया है।

इलेक्ट्रिक बस और हरित मोबिलिटी

उन्होंने कहा कि आज दुनिया ऐसी मोबिलिटी पर फोकस कर रही है जो ज्यादा साफ और ग्रीन हो। इलेक्ट्रिक गाड़ियां हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गई हैं। पुडुचेरी जैसे टूरिज्म हब में, इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण कम करने के लिए गेम-चेंजर हो सकती हैं। पीएम ई-बस सेवा के तहत, इलेक्ट्रिक बसें दी जा रही हैं। आज हमारे प्रोग्राम से जुड़े हाउसिंग प्रोजेक्ट्स परिवारों को स्टेबिलिटी और डिग्निटी देंगे। पूरे पुडुचेरी में कई सौ करोड़ के प्रोजेक्ट्स हैं।

विपक्ष पर निशाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा 'डबल इंजन सरकार जो अच्छा काम कर रही है, उसका जश्न मनाना जरूरी है। लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि पहले हालात कैसे थे। कांग्रेस-DMK के राज में पुडुचेरी के लोगों को बहुत तकलीफ हुई। वे साल पॉलिटिकल अस्थिरता, करप्शन, क्राइम और गरीबों की तकलीफ से भरे थे। राशन की दुकानों के पास चावल नहीं था, सैलरी में देरी होती थी, गुंडे और ड्रग माफिया का राज था।'

30 सेकंड, 30 से ज्यादा नेता, 30 टन के 30 बम... कैसे खत्म हुए खामनेई और उनका कुनबा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान में लगभग 47 वर्षों तक चले अयातुल्ला शासन के अंत को लेकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बड़ा खुलासा हुआ है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका का ईरान पर किया गया सैन्य हमला केवल सुरक्षा आकलन का नतीजा नहीं था, बल्कि इसमें क्षेत्रीय सहयोगियों का दबाव निर्णायक साबित हुआ।

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह जानकारी दी थी कि मौजूदा समय में ईरान से अमेरिका को प्रत्यक्ष खतरा नहीं है। इसके बावजूद हमला किया गया, क्योंकि इस्राइल और सऊदी अरब की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पिछले एक महीने में कई बार ट्रंप से निजी तौर पर फोन पर बातचीत की। यह संपर्क सार्वजनिक मंचों से अलग और गोपनीय रखा गया। हालांकि सार्वजनिक रूप से सऊदी अरब कूटनीतिक समाधान की बात करता रहा, लेकिन बंद दरवाजों के पीछे वह ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के पक्ष में था। क्राउन प्रिंस का मानना था कि अगर अभी कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में ईरान और ज्यादा ताकतवर बन जाएगा।

इस्राइल-सऊदी की साझा रणनीति

वॉशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी सूत्रों के हवालों से बताया कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका के दो अहम सहयोगी इस्राइल और सऊदी अरब ने मिलकर कई हफ्तों तक वॉशिंगटन में लॉबिंग की। उनका तर्क था कि तेहरान की क्षेत्रीय ताकत को कमजोर करने का यही सही समय है। इन देशों को आशंका थी कि अगर ईरान को नहीं रोका गया तो वह भविष्य में सऊदी तेल ठिकानों और इस्राइल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

खामेनेई की हत्या का समय और साजिश

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को उस वक्त निशाना बनाया गया, जब वे अपने करीबी सैन्य और सुरक्षा सलाहकारों के साथ बैठक कर रहे थे। इसमें ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। सूत्रों का कहना है कि यह ऑपरेशन लंबी योजना और खुफिया सूचनाओं पर आधारित था, लेकिन अंतिम फैसला सहयोगी देशों के दबाव के बाद लिया गया।

मुस्लिम देशों में नाराजगी की आशंका

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई मुस्लिम देशों में सऊदी अरब की भूमिका को लेकर नाराजगी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। एक तरफ सऊदी अरब सार्वजनिक रूप से शांति और बातचीत की बात करता रहा, वहीं दूसरी ओर उसने सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिका को प्रोत्साहित किया। विश्लेषकों का मानना है कि यह खुलासा मिडिल ईस्ट की राजनीति में नए तनाव पैदा कर सकता है और ईरान-सऊदी संबंधों को और जटिल बना सकता है।

अमेरिकी विदेश नीति पर सवाल

ईरान पर हमला अमेरिका की विदेश नीति में एक बड़ा और अप्रत्याशित मोड़ माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम केवल अमेरिकी सुरक्षा हितों पर आधारित नहीं था, बल्कि सहयोगी देशों की रणनीतिक चिंताओं ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई।

ईरान बोला- खामेनेई की मौत का लेंगे बदला, IRGC ने जारी की अमेरिकी सैन्य अड्डों पर विनाशकारी हमले की चेतावनी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले में मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार सुबह हमले में खामेनेई मारे गए। वहीं अब अपने नेता की मौत के बाद ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने बदले की चेतावनी दी है। ईरान की शक्तिशाली सैन्य इकाईइस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने घोषणा की है कि वह इस्लामी गणराज्य के इतिहास का सबसे तीव्र और विनाशकारी सैन्य अभियान शुरू करने जा रही है, जो इस्राइल और अमेरिका के मध्य पूर्व में मौजूद ठिकानों को निशाना बनाएगा। यह जानकारी ईरान की फार्स समाचार एजेंसी ने आईआरजीसी के एक बयान के पर प्रकाशित की है।

ईरान के साथ आया ये मुस्लिम देश, जिसके नेता ने इजरायल पर कभी दागी थी मिसाइल, चौंक गए ट्रंप-नेतन्याहू

ईरान को इराक से बड़ा समर्थन। शिया राष्ट्र की तरफ से कट्टरपंथी संगठन ने खुले समर्थन का ऐलान कर दिया है। इराक को दरअसल यहां पर समर्थन देते हुए तस्वीरें आप देख रहे हैं। जो शिया कट्टरपंथी गुट है उसकी तरफ से ऐलान किया गया बाकायदा प्रेस रिलीज जारी करके यह ऐलान किया गया कि ईरान के साथ युद्ध में इराक का ये कट्टरपंथी संगठन जो है वो खुद अब साथ देगा। तो इराक का ये कट्टरपंथी संगठन साथ आ चुका है। दूसरी तरफ अस्थाई वहां पर काउंसिल जो है वो अब शासन करेगी। फिलहाल जो कंट्रोल है फजिशियाने की राष्ट्रपति के हाथ में ही होगा। उसमें जुडिशरी के प्रमुख भी इसमें शामिल होंगे। ईरान को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी-इजरायली हमलों के बाद इराक के क्षेत्रीय युद्ध की अग्रिम पंक्ति में घसीटे जाने का खतरा मंडरा रहा है। ये हमले सीमा पार कर गए और तेहरान समर्थित मिलिशियाओं को निशाना बनाया, जिसके चलते इन समूहों ने अमेरिकियों पर हमले की धमकी दी। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के कुछ ही समय बाद, बगदाद के दक्षिण में स्थित ईरान समर्थित मिलिशिया कटाइब हिजबुल्लाह पर दो अलग-अलग मिसाइल हमले हुए, जिनमें कम से कम दो लड़ाके मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए।

खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में भड़की हिंसा, पुलिस कार्रवाई में 12 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद अलग-अलग देशों में अमेरिका के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस बीच पाकिस्तान से बड़ी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तान के शहर कराची में हिंसा भड़क गई है। खामेनेई मौत से गुस्साए लोगों ने पहले जमकर प्रदर्शन किया। इसके बाद अमेरिका दूतावास पर हमला कर दिया। भीड़ ने पहले दूतावास में जमकर तोड़फोड़ की और फिर आग लगा दी। सूचना पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची भीड़ पर बल प्रयोग कर उन्हें वहां से हटाने की कोशिश करने लगी। बताया जा रहा है कि इस पर भीड़ भड़क और पत्थरबाजी शुरू कर दी। डेली पाकिस्तान मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 12 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। हालांकि प्रशासन ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। लोगों की भीड़ दूतावास के आसपास मौजूद है। कराची में अगले आदेश तक हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रदर्शन की कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसमें प्रदर्शनकारी खामेनेई की फोटो के साथ अमेरिका के खिलाफ नारेबाजी करते दिख रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई लोग घायल हुए। घायलों को एंबुलेंस के जरिए सिविल अस्पताल कराची पहुंचाया गया। डेली पाकिस्तान मीडिया रिपोर्ट का दावा है कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में ही 12 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कराची के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान से घटना की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए

हमारी यादें छीन रहा वायु प्रदूषण, डिमेंशिया का खतरा 40% ज्यादा, सीधे दिमाग को पहुंचा रहा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस हवा को हम जिंदगी समझकर भीतर खींच रहे हैं, वही हमारी याददाश्त पर हमला कर रही है, हमारे जीवन भर की यादों को नष्ट कर रही है। नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी ने साफ कर दिया है कि वायु प्रदूषण अब सिर्फ फेफड़ों और दिल की बीमारी का मसला नहीं रहा, बल्कि यह सीधे दिमाग को नुकसान पहुंचा रहा है। शोध में पाया गया है कि हवा में हर 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पीएम2.5 की बढ़ोतरी से डिमेंशिया का खतरा करीब 40 फीसदी और अल्जाइमर का जोखिम 47 फीसदी तक बढ़ सकता है। भारत जैसे प्रदूषणग्रस्त देशों के लिए यह किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। अमेरिका में हुए इस व्यापक अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित जर्नल प्लोस मेडिसिन में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने 2000 से 2018 के बीच 65 वर्ष से अधिक उम्र के 2.78 करोड़ अमेरिकी नागरिकों के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया। अध्ययन में स्पष्ट संकेत मिले कि जो लोग लंबे समय तक पीएम 2.5 के संपर्क में रहे, उनमें अल्जाइमर और अन्य प्रकार के डिमेंशिया का खतरा उल्लेखनीय रूप से अधिक था। खास बात यह रही कि यह जोखिम हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक या डिप्रेशन जैसी बीमारियों को ध्यान में रखने के बाद भी बना रहा। यानी जहरीली हवा दिमाग पर सीधे प्रहार कर सकती है। गौरतलब है कि अल्जाइमर, जो डिमेंशिया का सबसे आम रूप है, दुनिया भर में करीब पांच करोड़ लोगों को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह अध्ययन वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आया है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि जिन लोगों को पहले स्ट्रोक हो चुका था, उनमें प्रदूषण का असर और ज्यादा गंभीर पाया गया। यानी जिनका मस्तिष्क पहले से कमजोर है, उनके लिए जहरीली हवा और भी अधिक खतरनाक साबित हो सकती है। जिन इलाकों में यह अध्ययन किया गया, वहां पीएम 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना था। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सालाना औसत पीएम2.5 का स्तर पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, जबकि भारत, चीन और अफ्रीका के कई हिस्सों में यह इससे कई गुना ज्यादा है। भारत के कई शहरों में पीएम 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कई गुना अधिक है। तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता का मेल भविष्य में डिमेंशिया और अल्जाइमर के मामलों में विस्फोटक वृद्धि का कारण बन सकता है।

इज़रायल-ईरान युद्ध के बीच प्रियंका गांधी को याद आए महात्मा गांधी, बोलीं- आंख के बदले आंख दुनिया को अंधा बना देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या को घृणित बताया और कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले स्पष्ट रूप से निंदा के योग्य हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक दुनिया के तथाकथित नेताओं द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व की लक्षित हत्या और असंख्य निर्दोष लोगों की हत्या घृणित है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए, चाहे इसका घोषित कारण कुछ भी हो। उन्होंने आगे कहा कि दुखद रूप से, अब कई राष्ट्र इस संघर्ष में घसीटे जा रहे हैं।

महात्मा गांधी के कथन 'आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा कर देती है' को याद करते हुए, प्रियंका गांधी ने कहा कि दुनिया को शांति की जरूरत है, अनावश्यक युद्धों की नहीं। उन्होंने X पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि इज़राइल के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने घुटने टेकने के बाद, हमारे प्रधानमंत्री प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इससे पहले दिन में, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक युग का अंत बताया और भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला।

X पोस्ट में सिंह ने लिखा कि जिनके पूर्वज भारत से हैं, उनके लिए अयातुल्ला खुमैनी का ईरान का सर्वोच्च नेता बनना एक युग का अंत है। भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया है। खुमैनी जी को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। ईरान भारत का पारंपरिक सहयोगी है। इसने हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ मतदान किया है और भारत के साथ खड़ा रहा है। इसने भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की है।" उन्होंने आगे कहा, "संकट की इस घड़ी में, भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, वैश्विक तानाशाह अमेरिका का अत्याचार पूरी दुनिया में फैलेगा। इस बीच, ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर ईरान में 40 दिनों का सार्वजनिक शोक मनाया जा रहा है। शनिवार को अमेरिका और इज़राइल द्वारा किए गए हमलों (ऑपरेशन एपिक फ्यूरी/लायंस रोर) के बाद उनका निधन हुआ। देश के सर्वोच्च नेता के कार्यालय ने राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है, जिसके तहत झंडे आधे झुके रहेंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सार्वजनिक सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

15 मीटर दूर पड़ी थी आंख, गायब थे कई अंग, सिर्फ एक पैर सुरक्षित; अपहृत बच्चे की ऐसी लाश देख पुलिस भी चौंकी

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर. यूपी के फतेहपुर जिले के किशनपुर थाना इलाके के लोची का डेरा मजरा इटरौरा से अपहृत साढ़े तीन वर्षीय अंकुश निषाद का अस्थिपंजर शनिवार सुबह घर से महज 25 मीटर दूरी पर दुर्गा प्रसाद निषाद के अरहर के खेत में मिला। शरीर के कई हिस्से गायब होने के कारण कपड़ों और धागे से उसकी पहचान की गई। शव मिलने की खबर से गांव में सनसनी फैल गई।

ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। इस दौरान एएसपी महेंद्र पाल सिंह और अन्य पुलिस कर्मियों से परिजन और ग्रामीणों की नोकझोंक भी हुई। हालांकि एएसपी ने परिजन को शांत किया। फॉरेंसिक टीम ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पिता हरिशंकर निषाद और ग्रामीणों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है। एएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया शरीर के मिले हिस्से को नोंचने जैसा प्रतीत हो रहा है। इससे जंगली जानवर के हमले से बच्चे की मौत होना मालूम हो रहा है। अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। अंकुश 24 फरवरी को अचानक गायब हुआ था। उसकी तलाश के लिए गांव से करीब 200 मीटर दूर बहने वाली ससुर खदेरी नदी में चार किलोमीटर तक जाल डाला गया और एसडीआरएफ टीम और ड्रोन की मदद से खोजबीन की गई। शव मिलने पर ग्रामीणों ने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया। दोपहर करीब 12 बजे फॉरेंसिंक टीम की जांच के बाद फॉरेंसिक टीम अस्थिपंजर कब्जे में ले सकी। शव के पास पैंट का टुकड़ा, लोअर, टी-शर्ट और गले में काला धागा मिला। इसे उसकी मां ने अपहरण से दो दिन पहले पहनाया था।

हत्या के बाद शव को जंगली जानवर के सामने फेंकने की जताई आशंका

अपहृत अंकुश का शव मिलने के बाद किशनपुर थाने के लोची का डेरा गांव में ग्रामीणों का गुस्सा सांतवें आसमान पर पहुंच गया। शरीर के कई हिस्से गायब होने के कारण ग्रामीणों ने हत्या के बाद शव को जंगली जानवर के सामने फेंकने की आशंका जताई। कुछ ग्रामीणों को घटना के पीछे तंत्र-मंत्र का भी शक है। ग्रामीणों ने बताया कि त्योहार के आसपास तांत्रिक बच्चों की बलि देने जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। पूर्व में थरियांव क्षेत्र में लगातार त्योहार के दो साल बच्चों का अपहरण और हत्या कर शव खेत में फेंके गए थे। करीब पांच साल पहले शहर में भी होली पर एक बच्ची का अपहरण कर हत्या की गई थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस घटना में भी किसी तांत्रिक का हाथ हो सकता है और जानबूझकर शव को जंगली जानवर को फेंका गया होगा। क्योंकि पहले गांव में जंगली जानवरों का आना-जाना नहीं रहा है। शव मिलने के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। सैकड़ों लोग लाठी-डंडा लेकर इकट्ठा हो गए पुलिस को चारों ओर से घेर लिया और हंगामा किया। ग्रामीणों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की और पुलिस पर शव उठाने से रोक कर मामले का खुलासा करने का दबाव बनाया।

15 मीटर दूर पड़ी थी आंख

अरहर के खेत में मिले बच्चे के अस्थिपंजर से कई अंग गायब थे या दूर पड़े थे। केवल एक पैर केवल सुरक्षित था। बाकी सीने की आधी हड्डियां, दोनों हाथ गायब, सिर पर बाल समेत खाल नहीं थी। गहरे घाव के निशान रहे। एसओजी और फॉरेंसिक टीम ने कुछ दूर पड़े बाल, खून से सनी मिट्टी और कपड़े उठाए। करीब 15 मीटर दूर एक आंख पड़ी मिली।

गांव में दहशत, स्कूल बंद

घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। पांच दिन से गांव के दर्जनों बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे थे। ग्रामीणों को आशंका है कि गांव के पास लगभग 500 मीटर तक फैला जंगल किसी अनहोनी का कारण बन सकता है। ग्रामीण शकुंतला देवी, हरिओम और मानसी निषाद ने बताया कि जब तक स्थिति स्पष्ट नहीं होती और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की जाती। तब तक बच्चों को स्कूल भेजना सुरक्षित नहीं है।

हर दिन 12 सिपाही, तीन दरोगा बच्चे की कर रहे थे तलाश

अपहृत बच्चे की तलाश के लिए किशनपुर थाने से प्रतिदिन सिपाही और दरोगा रवाना किए जा रहे थे। विजयीपुर चौकी फोर्स गांव जा रहा था। नरैनी मार्ग के सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए गए। करीब 12 सिपाही और तीन दरोगा तलाश में जुटे थे। बड़ी बात रही कि बच्चे की टीमें तलाश नहीं कर पाई थी।

इन सवालों के मिले नहीं मिले जवाब

- जिस स्थान पर बार-बार पुलिस और ग्रामीणों ने खोजबीन की वहां शव पहले क्यों नहीं दिखा।
- ड्रोन की निगरानी के बाद भी शव नजर क्यों नहीं आया।
- जंगली जानवर का शिकार होने पर दूसरे दिन भी मिल सकता था बच्चा।

जानिएं, कब-कब क्या हुआ

- 24 फरवरी की शाम करीब चार बजे अंकुश का अपहरण।
- 24 फरवरी की रात नौ बजे पुलिस को दी गई सूचना।
- 24 फरवरी रात एक बजे बाबा जगतपाल निषाद की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज।

प्लाईवुड फैक्ट्रियों में चौथे दिन भी आयकर जांच जारी, सपा के पूर्व सांसद के रिश्तेदारों से भी पूछताछ

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। रामपुर में तीन प्लाईवुड फैक्ट्रियों में आयकर विभाग की जांच चौथे दिन भी जारी है। दिल्ली से आए छह वरिष्ठ अधिकारियों की टीम इन फैक्ट्रियों के वित्तीय लेनदेन से जुड़े प्रपत्रों की गहनता से पड़ताल कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में बरेली और रुद्रपुर स्थित कंपनियों का भी सर्वे किया जा रहा है, जो इन फैक्ट्रियों को कच्चा माल सप्लाई करती हैं।

यह जांच एनजी प्लाईवुड, एमएन इंडस्ट्रीज और एमआई इंडस्ट्रीज फैक्ट्रियों पर केंद्रित है। तीनों फैक्ट्रियां रामपुर के बड़े व्यापारी मुनन खां और नईम खां उर्फ बबलू के स्वामित्व में हैं। नईम खां उर्फ बबलू, मुरादाबाद के सपा के पूर्व सांसद के समधी बताए जा रहे हैं। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रुद्रपुर, बरेली सहित देश की कई अन्य कंपनियों की

भी आयकर जांच चल रही है। यह जांच एक कंपनी में सामने आए आयकर चोरी के मामले के बाद शुरू हुई है, जिसके चलते कच्चा माल सप्लाई करने वाली कंपनियों पर भी शिकंजा कसा गया है। शनिवार को टीम ने दोनों मालिकों से लंबी पूछताछ की और रुद्रपुर स्थित प्लाईवुड कंपनियों को बेचे गए कच्चे माल के प्रपत्रों की भी जांच की। इसके अतिरिक्त, किसानों से खरीदे गए कच्चे माल और उन्हें किए गए नकद भुगतान के बारे में भी जानकारी जुटाई गई है। हालांकि, अभी तक आयकर विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

लंबी जांच की जिले में हो रही है चर्चा

चार दिन से चल रही इस आयकर जांच को लेकर जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म है। कई लोग इस जांच को पूर्व में आजम खां के ठिकानों पर हुई आयकर छापेमारी से जोड़कर देख रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि जिस तरह पूर्व में आजम खां के ठिकानों पर की गई छापेमारी में टीम को कुछ खास नहीं मिला था, उसी तरह यहां भी जांच में देरी हो रही है क्योंकि अभी तक कुछ ठोस हाथ नहीं लगा है।

टीम का खाना बाहर से आ रहा है

आयकर विभाग की टीम की गाड़ियों को केवल खाने के पैकेट लेने के लिए ही बाहर आते देखा जा रहा है। फैक्ट्रियों के परिसर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का कड़ा पहरा है। फैक्ट्रियों में काम करने वाले श्रमिकों का कहना है कि जांच के कारण उनका काम बंद है और वह खाली बैठे हैं। उन्होंने बताया कि टीम ड्राइवरों के माध्यम से खाने के पैकेट मंगवा रही है और कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बाहर नहीं निकल रहा है। किसी को भी फोन पर बात करने की अनुमति नहीं है। हालांकि, श्रमिकों को फैक्टरी के अंदर-बाहर आने-जाने की छूट दी गई है।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को दी होली की शुभकामना एवं बधाई

प्रतापगढ़। होली पर्व के मद्देनजर जनपद में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने समस्त जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। उन्होंने कहा कि होली रंगों, उमंग और आपसी भाईचारे का प्रतीक पर्व है, जिसे प्रेम, सद्भाव और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने अपने संदेश में कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सामुदायिक समरसता का भी प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा है कि कोई भी व्यक्ति ऐसा कार्य न करे जिससे किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे या सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो।

यूट्यूबर पर हमले का आरोपी ढेर : गाजियाबाद मुठभेड़ में 10 मिनट तक फायरिंग, सीने में लगी गोली, पुलिसकर्मी भी घायल

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी में यूट्यूबर सलीम वास्तविक पर जानलेवा हमले के मामले में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक बदमाश पुलिस की गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। यह मुठभेड़ लोनी अंडरपास के पास निठौरा अंडरपास के निकट हुई। मुठभेड़ के दौरान दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

एडिशनल डीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि पुलिस और बाइक सवार बदमाश के बीच करीब 10 मिनट तक फायरिंग हुई, जिसमें बदमाश की ओर से 10 राउंड गोलियां चलाई गईं। लोनी पुलिस और देहात स्वाट टीम ने उनके नेतृत्व में यह मुठभेड़ की। इसमें एक बदमाश

पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

मृत बदमाश की पहचान जीशान निवासी नगला सैफी, जिला अमरोहा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इसी बदमाश ने सलीम पर चाकू से हमला किया था। सीसीटीवी फुटेज में वह बाइक पर पीछे बैठा दिखाई दिया था और कुर्ता पजामा पहने हुए था। मौके से हमले में प्रयुक्त चाकू, एक पिस्टल, कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है।

जी शा न अमरोहा का रहने वाला था। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। सीसीटीवी फुटेज से पहचान की पुष्टि होने के बाद पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को देखकर उसने फायरिंग कर दी, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मी में सचिन कुमार और विपिन ठाकुर हेड कांस्टेबल हैं। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर और सीने में गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार : बैजनाथ रावत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने रविवार को निरीक्षण भवन प्रतापगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश की कानून व्यवस्था, सरकार की नीतियों तथा अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है तथा आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसी उद्देश्य से विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने महापुरुषों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि महापुरुष

किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज और राष्ट्र के होते हैं। उनका जीवन समाज सुधार, समानता और विकास के लिए समर्पित रहा है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि वे जिले में संत गाडगे की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आए हैं। संत गाडगे के सामाजिक सुधार और स्वच्छता संबंधी संदेश आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि प्रेस वार्ता के उपरांत अनुसूचित जाति वर्ग से आए फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई की जाएगी। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरतें और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें।

माँ ज्वाला देवी धाम सिद्धपीठ के पर्यटन विकास हेतु 96.96 लाख की स्वीकृति मिली

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जनपद के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माँ ज्वाला देवी धाम सिद्धपीठ के पर्यटन विकास को लेकर बड़ी सौगात मिली है। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया कि नगर पंचायत मानिकपुर स्थित इस सिद्धपीठ के समग्र विकास हेतु शासन द्वारा 96.96 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह स्वीकृति धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दी गई है। माँ ज्वाला देवी धाम में वर्ष भर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं, विशेषकर नवरात्रि और अन्य पर्वों के दौरान यहां भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। जिलाधिकारी ने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर और व्यवस्थित सुविधाएं मिलेंगी।

गाजियाबाद : छात्र को पीट रही थी टीचर, आंख में जा घुसी छड़ी... चली गई मासूम के आंखों की रोशनी

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र के स्कूल में टीचर की पिटाई से एक छात्र की आंख पर गंभीर चोट लग गई। शिक्षिका की छड़ी लगने से छात्र की आंख लहूलुहान हो गई। छात्र के परिजनों ने वेव सिटी थाने में टीचर समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, महरौली गांव में रहने वाले प्रवीण का बेटा गांव में ही बने स्कूल में पढ़ता है। स्कूल में टीचर की मार से उसकी आंख पर गंभीर चोट लगी है। उन्होंने बताया कि उनका 14 साल का बेटा वंश गांव के ही स्कूल की कक्षा नौ में पढ़ता है। 20 दिसंबर 2025 को वह स्कूल में पढ़ाई करने गया था। आरोप है कि उसका पेन नीचे गिर गया तो वह उठाने के लिए झुका। इस दौरान

शिक्षिका ने दंड देने के लिए उसे छड़ी मारी, जो छात्र की दायीं आंख में लग गई और खून बहने लगा। आरोप है कि छात्र की आंख में छड़ी का एक कोना घुसने से रोशनी चली गई।

गांव के डॉक्टर को दिखाकर घर छोड़ दिया

वहीं ये भी आरोप है कि स्कूल के प्रिंसपल ने गांव के ही एक डॉक्टर इलाज कर छात्र को घर छोड़ दिया। घर आने के कुछ देर बाद ही बच्चे की तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो गई। उसकी आंख के आसपास सूजन बढ़ गई और उसको तेज दर्द महसूस हो रहा था। जिसके बाद परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर गए, जहां पर दो दिन तक इलाज चला, लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद दूसरे डॉक्टरों को दिखाया गया, लेकिन छात्र को आराम नहीं मिला। नोएडा में एक आई सेंटर पर बच्चे का ऑपरेशन हुआ है।

परिजनों ने डीएम से की शिकायत

डॉक्टरों ने बताया कि चोट गंभीर होने की वजह से छात्र की आंख में काला मोतियाबिंद हो गया। आंख में छड़ी लगने पर आंख का पर्दा फट गया है। वहीं छात्र के पिता ने कहा कि अब तक बच्चे को एक आंख से बिल्कुल दिखाई नहीं दे रहा है। परिजनों ने आरोपी टीचर के खिलाफ बीएसए, डीआईओएस और जिलाधिकारी से भी शिकायत की है।

काशी में 'आनंद-कानन' का पुनर्जन्म... 20000 लोगों ने 30 मिनट में रोप दिए 3 लाख पौधे, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। धर्म और संस्कृति की नगरी काशी, जिसे पौराणिक काल में 'आनंद-कानन' (खुशियों का वन) कहा जाता था, अब एक बार फिर अपने उसी वैभवशाली स्वरूप की ओर लौट रही है। गंगा के तट पर बसे सुजाबाद डोमरी क्षेत्र में वाराणसी नगर निगम ने एक ऐसा ऐतिहासिक पौधारोपण अभियान चलाया है जिसने विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। इस महाभियान में काशी के जन-जन ने अपनी अटूट आस्था और पर्यावरण के प्रति प्रेम का परिचय दिया। करीब 20 हजार से ज्यादा लोगों ने एकजुट होकर मात्र 30 मिनट के भीतर 3 लाख से अधिक पौधे रोपित किए। इस गौरवशाली उपलब्धि ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी द्वारा पूर्व में गोद लिए गए गांव डोमरी के समीप 350 बीघा क्षेत्र में चलाया जा रहा है। इसे एक विशाल शहरी वन (Urban Forest) के रूप में विकसित किया जा रहा है। जापानी मियावाकी तकनीक के प्रयोग से यह वन सामान्य की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ेगा और 30 गुना ज्यादा घना होगा। यह वन आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध ऑक्सीजन बैंक के रूप में कार्य करेगा और गंगा तटों के कटाव को रोकने में भी मजबूती प्रदान करेगा।

नगर निगम को होगी करोड़ों की आय

वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी के अनुसार, यह प्रोजेक्ट केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि आर्थिक स्वावलंबन का भी एक अनोखा मॉडल बनेगा। इसके लिए मध्य प्रदेश की MBK संस्था के साथ समझौता (MoU) किया गया है। परियोजना के तीसरे वर्ष से ही निगम को 2 करोड़ रुपये की आय होने लगेगी। पांचवें वर्ष में 5 करोड़ और सातवें वर्ष तक यह वार्षिक आय 7 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

फल, फूल और आयुर्वेद का संगम

यह केवल एक बगीचा नहीं, बल्कि एक पूर्ण आत्मनिर्भर इको-सिस्टम होगा। यहां मियावाकी वन के साथ-साथ निम्नलिखित का अद्भुत समन्वय दिखेगा। फलों के बाग आम, अमरूद, पपीता और अनार जैसे फलदार पेड़। अश्वगंधा, शतावरी, गिलोय और एलोवेरा जैसे औषधीय पौधे, जो शहर की आबोहवा को औषधीय गुणों से युक्त बनाएंगे। यही नहीं यहां, गुलाब, चमेली और पारिजात के फूलों की व्यावसायिक खेती भी होगी।

भीषण गर्मी के लिए वॉटर मैनेजमेंट

पौधों को जीवित रखने और उनके संरक्षण के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सिंचाई के लिए 5 बोरवेल स्थापित किए जा चुके हैं। मार्च से जून की प्रचंड गर्मी के लिए विशेष शेड्यूल बनाया गया है, जिसके तहत सप्ताह में तीन बार 45-45 मिनट की गहन सिंचाई की जाएगी। देशी प्रजातियों को प्राथमिकता- इस वन में महुआ, कचनार, हरसिंगार, शीशम और अर्जुन जैसी 27 प्रकार की देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए गए हैं, जो अस्थायी जलभराव को सहने में सक्षम हैं।

पौधे के प्रकार, नाम और संख्या

1। छायादार और वन प्रजातियां- शीशमः 35,171, सागौनः 14,371, अर्जुनः 13,671, सप्तपर्णीः 13,071, बाँसः 12,371, पीपलः 11,421, महुआः 10,771, शीशम (हाइब्रिड): 14,071, महोगनीः 11,021, बकैनः 9,971, चिलबिलः 8,371, कैजुराइना/झाऊः 7,371, चितवनः 6,071,

2। फलदार वृक्ष- अमरूदः 24,121, आमः 19,421, अनारः 14,771, शहतूतः 12,771, नींबूः 10,371, करौंदाः 8,071, बेलः 3,971

3। फूलों वाले और सजावटी पौधे- कचनारः 11,771, चाँदनीः 9,371, गुड़हलः 9,071, हरसिंगार/पारिजातः 7,771, बोतल ब्रशः 7,071, मनोकामिनीः 6,371, एलिकाः 4,821, जंगल जलेबीः 7,022

प्रॉपर्टी दिखाने के नाम पर महिला ने डीलर को बुलाया, महिला ने अश्लील वीडियो बनाई, पीटा भी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद स्थित सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी दिलाने के नाम पर एक युवक को जाल में फंसाकर मारपीट करने और अश्लील वीडियो बनाकर रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है।

रामगंगा विहार निवासी पीड़ित प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार नवंबर 2025 में मीटिंग के दौरान उसके पति की मुलाकात एक महिला के साथ हुई। उसने सस्ते दाम पर प्रॉपर्टी दिलाने का झांसा दिया और 20 हजार रुपये भी ले लिए। आरोप है कि 24 फरवरी 2026 को महिला ने प्रॉपर्टी दिखाने के लिए उन्हें जिगर कॉलोनी चक्कर की मिलक बुलाया। वहां पहले से मौजूद निशा, मुस्कान, अमन, जावेद और वसीम ने मिलकर प्रॉपर्टी डीलर के साथ मारपीट की। आरोपियों ने जबरन कमरे में ले जाकर उनके साथ अश्लील हरकत की और वीडियो और फोटो बना लिए। इसके बाद तीन लाख रुपये की मांग की गई और रकम न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई। डर के कारण पीड़ित से ऑनलाइन 9500 रुपये और 400 रुपये ट्रांसफर कराए गए। बाद में रिश्तेदारों से रुपये मंगवाने का दबाव बनाया गया। आरोप है कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को फंसाकर ब्लैकमेल करता है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

खामेनेई की हत्या पर फूट-फूटकर रोईं महिलाएं और पुरुष, शिया मुसलमान सड़कों पर उतरे, लखनऊ में विरोध प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को सुबह शिया समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए। रोते बिलखते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। यहां तक कि महिलाएं भी सड़कों पर रोते दिखीं। छोटे इमामबाड़े के पास बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग एकत्र हो गए।

इस्लामिक सेंटर आफ इंडिया के अध्यक्ष एवं इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि इस्राइल और यूएस ने मिलकर एक स्वतंत्र देश ईरान पर हमला किया, उन्होंने स्कूलों को भी नहीं छोड़ा। इसकी हम निंदा करते हैं। वहीं शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ़ अब्बास नक़वी ने कहा कि खामेनेई दुनिया के सभी मुसलमानों का ख्याल रखने वाले नेता थे। आज पूरी दुनिया ने देख लिया कि इस्राइल और यूएस ने किस तरह दहशतगर्दी फैलाई है। आयतुल्ला ख़ामेनई की शहादत पर घोषित तीन दिवसीय शोक के तहत शिया समुदाय के लोग अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस संबंध में मौलाना कल्बे जवाद ने तमाम उम्मते मुस्लिमा और इंसानियत परस्त लोगों से शोक में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने बताया कि रविवार रात 8 बजे छोटे इमामबाड़े में शोकसभा आयोजित की जाएगी, जिसके बाद कैंडल मार्च निकाला जाएगा। मौलाना ने देशभर के शिया समुदाय से अपील की है कि रात 8 बजे एक ही समय पर शोकसभाएं आयोजित करें और जहां संभव हो वहां कैंडल मार्च निकालें। साथ ही सभी लोगों से बड़ी संख्या में शोकसभा में शामिल होकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने का आह्वान किया गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर एक प्रदर्शनकारी महिला ने कहा कि ₹जिनके खून में गद्दारी है, उन्होंने खामेनेई को धोखे से मारा है, अगर एक खामेनेई मारा गया, तो हज़ार खामेनेई उठ खड़े होंगे। इस्राइल और अमेरिका धोखेबाज़ हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर शिया धार्मिक नेता मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि कल इस्राइल और अमेरिका ने जो हमला किया, उसे टेररिस्ट अटैक कहा जा रहा है। आज इसने पूरी खाड़ी को जंग में झोंक दिया है, और आप सब खाड़ी में हालात देख रहे हैं। दुनिया को समझना चाहिए कि अमेरिका और इज़राइल कैसे पूरी दुनिया में खून-खराबा, नफरत और दहशतगर्दी फैला रहे हैं... खामेनेई किसी एक देश के लीडर नहीं थे, बल्कि हर दबे-कुचले इंसान, हर मुसलमान और हर इंसान के लीडर थे... कोई नहीं जानता कि यह चल रहा झगड़ा कहां ले जाएगा। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि ईरान जीतेगा...' ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि हम शहादत से नहीं डरते... ईरान ने अमेरिका और इस्राइल को कड़े शब्दों में कहा है कि ऐसा करारा जवाब दिया जाएगा कि वे इसे हमेशा याद रखेंगे... दुनिया दोनों देशों को खत्म होते देखेगी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर, इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के एग्जीक्यूटिव मेंबर, खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, ₹ईरान एक आज़ाद देश है और जिस तरह से उस पर हमला किया गया, वह सभी इंटरनेशनल कानूनों के खिलाफ है... हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और इंटरनेशनल कम्युनिटी से अपील करते हैं कि वे आगे आएं और इस जंग को रोकें। हम यह भी अपील करते हैं कि खामेनेई की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों पर इंटरनेशनल कोर्ट में केस चलाया जाए। मैं दुनिया भर के लोगों से, और खासकर अपने देश के लोगों से, शांति बनाए रखने की अपील करता हूं...₹

'ट्रंप आसानी से नहीं जीत सकते'

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर एक प्रदर्शनकारी महिला ने कहा कि वो (US) बातचीत से धोखा देते रहे और युद्ध की धमकी देते रहे, लेकिन हमारे लीडर डरे नहीं और झुके नहीं। अगर एक खामेनेई मारा गया, तो हजार खामेनेई उठ खड़े होंगे और यह युद्ध जारी रहेगा। ट्रंप आसानी से नहीं जीत सकते।

इस्राइल और US के हमलों में मारे गए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई पर शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने कहा कि ये सब कायर हैं जिन्होंने एक ऐसे लीडर को शहीद कर दिया जो हमेशा दबे-कुचले लोगों की मदद करता था। ट्रंप और नेतन्याहू ने अपने डेथ वारंट पर साइन कर दिए हैं। अल्लाह उन्हें सजा देगा। हमने तीन दिन के शोक का एलान किया है, और लोगों को अपनी दुकानें और बिजनेस बंद कर देने चाहिए, लेकिन हमें किसी पर दबाव नहीं डालना चाहिए। यह इंसानियत के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। हम आज रात 8 बजे कैंडललाइट मार्च निकालेंगे।

बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, पिक्चर गैलरी सब बंद

खामेनेई की मौत पर लखनऊ में शिया समुदाय के लोग तीन दिन तक शोक मनाएंगे। इसके चलते बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, पिक्चर गैलरी सभी रविवार से ही बंद कर दिए गए हैं। कोई भी पर्यटक तीन दिन तक नहीं घूम पाएगा। बड़ा इमामबाड़ा पर ताला लगा दिया गया है। घूमने के लिए आए पर्यटकों को मायूस लौटना पड़ रहा है। वह बाहर से ही फोटो खींचकर लौट रहे हैं। छोटे इमामबाड़े के पास दुकाने सभी बंद कर दी गई हैं। आसपास सन्नाटा पसरा हुआ है।

इजराइल-अमेरिका में सामने से लड़ने की हिम्मत नहीं- इमरान मसूद

अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि दुनिया ने एक बहादुर लीडर खो दिया है। इतिहास उन्हें एक बहादुर लीडर के तौर पर याद रखेगा। उन्होंने कई पाबंदियों के बावजूद अपने देश को बनाने के लिए काम किया। ऐसे आदमी का जाना वाकई बहुत दर्दनाक है। न तो इजराइल और न ही अमेरिका में आमने-सामने लड़ने की हिम्मत है। वे टेक्नोलॉजी से मार रहे हैं।

होली की शुभकामाएं...उत्साह और शालीनता से मनाएं, भाईचारे का है पर्व, मुख्यमंत्री ने दिया ये संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि होलिकोत्सव भारतीय संस्कृति का जीवन्त उत्सव है, जो सामाजिक समरसता, सौहार्द और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से त्योहार को हर्षोल्लास, शालीनता और मर्यादा के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने अफवाहों से दूर रहने और प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का संदेश प्रेम, विश्वास और सकारात्मकता को बढ़ावा देता है तथा समाज के सभी वर्गों को जोड़ता है।

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने होली के पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि यह रंगोत्सव आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है, जो सभी के जीवन में खुशियों के रंग भरता है। मौर्य ने लोगों से पर्व को उत्साह, शालीनता और परंपराओं के अनुरूप मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि होली समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला उत्सव है, इसलिए ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी की भावनाएं आहत हों।

जल संरक्षण का संकल्प लें- राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश की जनता को होली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह रंगों का उत्सव जीवन में प्रेम, सौहार्द और नई ऊर्जा का संचार करे। आइए, प्राकृतिक रंगों से होली मनाएं, जल संरक्षण का संकल्प लें और समाज में भाईचारा बढ़ाएं। आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य सदैव बना रहे। सभी के लिए मंगलमय, सुरक्षित और आनंदमयी होली। आपका परिवार खुशियों से भरा रहे और सपने पूरे हों।

भाजपा आधी आबादी को देगी बड़ा लाभ, जिला इकाइयों में 30 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए 'रिजर्व'

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई ने संगठन में रंग भरने के लिए होली के बाद का मुहूर्त निकाला है। हालांकि जिला इकाई के संभावित दावेदारों का नाम दो मार्च सोमवार तक लिफाफे में बंद करने का लक्ष्य दिया गया है, लेकिन कार्यकारिणी 15 मार्च के आसपास घोषित करने के संकेत हैं। उधर, एक तिहाई पदों पर महिलाओं की दावेदारी सुनिश्चित कर जहां भाजपा ने नारी शक्ति वंदन का संकल्प दिखाने का प्रयास किया है, वहीं लंबे समय से पद की प्रतीक्षा कर रहे चेहरों की चिंता भी बढ़ सकती है। खासकर, बड़े जिलों की टीम में हर विधानसभा का प्रतिनिधित्व देना आसान नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में वर्ष के 2027 विधान सभा की चुनावी तैयारी में जुटी भाजपा कई समीकरणों को मथकर जिलों की नई टीम बनाएगी। जातीय संतुलन के साथ ही जनप्रतिनिधियों को भी साधने की बड़ी चुनौती है।

4 दिन से बंद थी वेज बिरयानी की दुकान, शटर खुला तो डीप फ्रीजर में मिली युवक की लाश, दुकानदार सन्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब (BKT) थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां जीसीआरजी कॉलेज गेट के पास स्थित एक वेज बिरयानी की दुकान के फ्रीजर से 38 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। दुकान पिछले चार दिनों से बंद थी, और जब रविवार को मालिक ने दुकान खोली, तो अंदर का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए।

मृतक की पहचान विजय पाल (38 वर्ष), पुत्र डलई के रूप में हुई है। वो बीकेटी के ही किशुनपुर गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, दुकान मालिक जब चार दिन बाद अपनी दुकान पर पहुंचा, तो उसे फ्रीजर के अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। उसने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी।

शरीर पर नहीं मिले चोट के निशान

सूचना मिलते ही डीसीपी नॉर्थ गोपाल कृष्ण चौधरी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। डीसीपी ने बताया कि ये एक अस्थाई (टेम्प्रेरी) दुकान है और जिस फ्रीजर में शव मिला, उसका बिजली कनेक्शन कटा हुआ था। मृतक की जेब से उसका मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद हुआ है, जिससे उसकी शिनाख्त संभव हो सकी। शव पर बाहर से किसी भी प्रकार के गंभीर चोट के निशान नहीं दिखाई दे रहे हैं, जिससे मौत की गुत्थी और उलझ गई है।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस अब इस एंगल पर जांच कर रही है कि विजय पाल बंद दुकान के भीतर कैसे पहुंचा और वह फ्रीजर के अंदर कैसे गया। पुलिस ने मृतक के परिवार वालों से संपर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दे दी है। दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया जा रहा है ताकि यह पता चल सके कि दुकान आखिरी बार कब खुली थी और विजय पाल वहां कब दाखिल हुआ। डीसीपी नॉर्थ गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया- वेज बिरयानी शॉप के फ्रीजर में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पर पुलिस बल मौके पर मौजूद है। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

खामेनेई की मौत के बाद यूपी में हाई अलर्ट जारी, यूपी पुलिस को मिले विशेष निगरानी के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ईरान के सुप्रीम नेता खामेनेई की मौत के बाद यूपी में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के सभी जिलों में अलर्ट जारी करते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। होली पर्व को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के आदेश दिए गए हैं।

इस संदर्भ में पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी अलर्ट में कहा गया है कि संवेदनशील जिलों, धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले बाजारों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

इंटरनेट मीडिया पर भी कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भड़काऊ सामग्री का समय रहते संज्ञान लेकर कार्रवाई की जा सके।

प्रदेश के सभी जोनल एडीजी, रेंज आइजी और जिलों के पुलिस कप्तानों को निर्देशित किया गया है कि होली के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। पीआरवी और डायल 112 को हाई अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च और पैदल गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

खुफिया तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में स्थिति सामान्य है, लेकिन एहतियात के तौर पर यह कदम उठाए गए हैं ताकि होली का पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके।

आवारा कुत्तों ने आठ साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला, घर से निकलते ही झुंड ने किया हमला

लखनऊ। रहीमाबाद के तरौना गांव में रविवार को शाम साढ़े छह बजे आवारा कुत्तों ने आठ वर्षीय बच्ची को दौड़ाकर पकड़ लिया, फिर नोच-नोच कर मार डाला। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण पहुंचे और कुत्तों को भगाया, फिर घायल बच्ची को अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने भी मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों आक्रोश है। आरोप है कि कई बार कुत्ते हमला कर चुके लेकिन इन्हें पकड़ा नहीं जा सका। तरौना गांव निवासी दिलीप कश्यप की बेटी अंशिका घर पर थी। तभी उसने घर में शौच के लिए जाने की बात कह गई थी। थोड़ी दूर पहुंची थी कि इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे चार-पांच आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। उससे पकड़कर नोचना शुरु कर दिया। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटी तो मां उसे देखने बाहर निकली।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को फतेहपुर जाने से रोकने के लिए डीएम ने लिखा पत्र, मृत बीएलओ के घर जा रहे थे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की ओर से फतेहपुर में आत्महत्या करने वाले बीएलओ के परिजनों से मिलने की घोषणा करते ही प्रशासन हरकत में आ गया है। फतेहपुर के जिलाधिकारी ने रविवार को लखनऊ कमिश्नर को पत्र लिखकर उन्हें रोकने की मांग की है। दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि वह हर हाल में फतेहपुर जाएंगे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विभिन्न स्थानों पर दम तोड़ने वाले बीएलओ के परिजनों से मिलने जाते हैं। जिन बीएलओ की हार्ट अटैक अथवा अन्य कारणों से मौत हुई है या फिर किसी ने आत्महत्या की है, कांग्रेस उनकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके दिल्ली भेजती है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अब तक करीब 24 बीएलओ के घर जा चुके हैं।

इस बीच फतेहपुर के बिंदकी तहसील के अलियाबाद निवासी शिक्षामित्र अखिलेश कुमार सविता के आत्महत्या करने की सूचना मिली। इस पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दो मार्च को फतेहपुर अखिलेश सविता के घर जाने का ऐलान कर दिया। अजय राय का फतेहपुर कार्यक्रम जारी होते ही वहां के जिलाधिकारी ने लखनऊ कमिश्नरेट के आयुक्त को पत्र भेजा है। भेजे गए पत्र में कहा गया है कि होली एवं रमजान के पर्व को देखते हुए पुलिस बल का व्यवस्थापन किया जा चुका है। ऐसे में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लखनऊ में ही रोका जाए। इस पत्र के जारी होते ही लखनऊ पुलिस सक्रिय हो गई है। उधर, कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि वह हर हाल में फतेहपुर जाएंगे।

राजधानी की 3729 जगहों पर होगा होलिका दहन, ड्रोन से होगी निगरानी ; सोशल मीडिया पर भी रहेगी नजर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शहर में 3729 जगहों पर होलिका दहन किया जाएगा। इसको लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। हर जगह पुलिस बल की तैनाती रहेगी और सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन से निगरानी की जाएगी। जेसीपी एलओ बबलू कुमार ने बताया कि सुरक्षा के लिए चार एडीसीपी, 12 एसीपी, 19 इंस्पेक्टर, 72 दरोगा, 400 सिपाही, ट्रैफिक पुलिस के 22 इंस्पेक्टर, 75 दरोगा, 80 होमगार्ड, 600 सिपाही, 14 कंपनी पीएसी, वायरलेस यूनिट और एलआईयू के लोग पूरे शहर भर में तैनात किए गए हैं। ड्यूटी को लेकर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले से ब्रीफ भी कर दिया गया है। हर इलाके में चौबीस घंटे कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की गई है। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर विशेष नजर रखी जा रही है। आयोजन स्थल तक के मार्गों पर विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। पुलिस ने लोगों से सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और समय-समय पर जारी किए गए यातायात डायवर्जन का पालन करने की अपील की है।

मतदाताओं की रेटिंग में यूपी अव्वल, शिकायतों के निस्तारण में चौथे स्थान पर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अवधि में प्रदेश में एनजीएसपी (राष्ट्रीय शिकायत सेवा पोर्टल) पर फरवरी में 22469 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसके सापेक्ष कुल 21,864 (97.3 प्रतिशत) शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। फरवरी में शिकायतों के निस्तारण में प्रदेश को पूरे देश में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। इतना ही नहीं नागरिकों द्वारा विगत एक माह में दी गई रेटिंग के अनुसार देश में उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

उत्तर प्रदेश द्वारा शिकायतों का निस्तारण निश्चित समय अवधि के भीतर करते हुए पूरे देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। उत्तर प्रदेश के ऊपर मिजोरम, लद्दाख तथा उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य हैं, जहां प्राप्त होने वाली शिकायतों की संख्या बहुत ही कम है। रिणवा ने बताया कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता की ओर से निस्तारण से संतुष्ट होते हुए 1 से 3 तक अंक दिए जाते हैं। नागरिकों द्वारा विगत एक माह में दी गई रेटिंग के अनुसार देश में उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के चलते यूपी का काम सराहनीय माना गया है।

रिणवा ने बताया कि चुनाव आयोग शिकायतों के निस्तारण के लिए राष्ट्रीय शिकायत सेवा पोर्टल (एनजीएसपी 2.0) संचालित कर रहा है। इसमें नागरिकों द्वारा अपनी शिकायतों एवं प्रश्नों को दर्ज कर ट्रैक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल voters.eci.gov.in या ECINET मोबाइल एप के माध्यम से कोई भी नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है। शिकायत दर्ज करने के लिए मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी अनिवार्य है। प्रत्येक शिकायत के निस्तारण के लिए एक निश्चित समयावधि निर्धारित की गई है।

होली पर लखनऊ में नहीं कटेगी बिजली, उपकेंद्रों में लगाई गई स्पेशल ड्यूटी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को बिजली विभाग कोई शटडाउन बिजली मरम्मत के नाम पर नहीं लेगा। अगर कोई आकस्मिक फाल्ट बिजली से जुड़ा आता है तो विभाग उसे ठीक करने के लिए शटडाउन ले सकता है, लेकिन ज्यादा आबादी प्रभावित न हो, इसके लिए रिंग मेन यूनिट का उपयोग किया जा सकता है।

लखनऊ के सभी जोन, जिसमें गोमती नगर, जानकीपुरम, लखनऊ मध्य और अमौसी जोन में शटडाउन तीन दिन तक न लेने के निर्देश दिए गए हैं। उद्देश्य है कि उपभोक्ताओं को लगातार तीनों दिन बिजली की आपूर्ति हो सके। मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि लखनऊ मध्य में उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे दो, तीन व चार मार्च को बिजली दी जाएगी। इसके बाद गर्मियों को लेकर बेहतर बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए पेड़ों की छंटाई, ट्रांसफार्मर से जुड़े मरम्मत कार्य करने पर योजना बनाकर काम किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बिजली उपकेंद्रों पर पालियों में ड्यूटी लगाई जाएगी। यहां पूरी गैंग वाहन के साथ मौजूद रहेगी। हेल्पलाइन नंबर 1912 पर आने वाली शिकायत को प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अगर कोई उपभोक्ता बिजली उपकेंद्र में जाकर शिकायत दर्ज कराता है तो भी उसकी शिकायत को निस्तारित किया जाए। इसके लिए मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और अवर अभियंता को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उपकेंद्र में लगे सरकारी फोन पर आने वाली शिकायतों को भी गंभीरता से दर्ज करके, निस्तारित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अलीगढ़ की आरटीओ प्रवर्तन वंदना सिंह और आरआई निलंबित, बस की फर्श टूटने से गई थी बच्ची की जान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अलीगढ़ में स्कूल बस से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अलीगढ़ की आरटीओ प्रवर्तन वंदना सिंह और तत्कालीन सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) चंपालाल को रविवार को निलंबित कर दिया गया। चंपालाल की वर्तमान तैनाती सिद्धार्थनगर में है। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

परिवहन आयुक्त किंजल सिंह के मुताबिक 28 फरवरी को अलीगढ़ सीमा से सटे कासगंज के ग्राम-नगला साधु में स्कूल बस का फर्श टूटने से एक बच्ची सड़क पर गिर गई थी फिर उसके ऊपर पहिया चढ़ गया था। हादसे में बच्ची की मौत हो गई थी। हादसे के बाद जब जांच हुई तो पता चला कि बस का बीमा नहीं है। वहीं परमिट की भी वैधता खत्म हो चुकी है। मामले का संज्ञान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने लिया।

अफसरों को नोटिस, मांगा जवाब

मामले में उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) आगरा, एआरटीओ (प्रशासन/प्रवर्तन) अलीगढ़, एआरटीओ (प्रशासन/प्रवर्तन) कासगंज और अलीगढ़ के यात्रीकर अधिकारी को नोटिस जारी किया गया है। तीन दिन के भीतर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। उसके बाद उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। वहीं स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तहरीर भी दी गई है।

सत्र समाप्त होने के साथ ही चर्चाएं भी समाप्त

संसद के बजट सत्र में ब्रेक चल रहा है। सत्र का दूसरा हिस्सा नौ मार्च से शुरू होगा और दो अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला हिस्सा बहुत हंगामे वाला रहा। वैसे तो हर सत्र ही हंगामे वाला होता है लेकिन इस बार कुछ अनोखी चीजें हुईं। जैसे स्पीकर ने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि वे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई एक अधूरी चर्चा का जवाब देने लोकसभा में नहीं आएं क्योंकि कुछ 'अप्रत्याशित' घट सकता है। प्रधानमंत्री मान भी गए। पहली बार ऐसा हुआ। ऐसे ही पहली बार हुआ कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और बदले में विपक्ष ने प्रधानमंत्री को नहीं बोलने दिया। पहली बार विपक्ष की महिला सांसदों से प्रधानमंत्री को खतरा होने की बात हुई। पहली बार नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ सब्सटेंसिव मोशन पेश किया गया। पूर्व प्रधानमंत्रियों की नीतियों की आलोचना तो पहले भी होती थी लेकिन इस बार की नई गिरावट यह थी कि पूर्व प्रधानमंत्रियों की जीवनी या उनके ऊपर लिखी गई किताबों में से यहां वहां के उद्धरण छांट कर उनको 'गद्दार', 'अय्याश' आदि सदन के अंदर कहा गया। पहली बार ऐसा हुआ कि संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्षी सांसदों पर आरोप लगाया कि उन्होंने स्पीकर के चैम्बर में जाकर गाली गलौज की। करीब चार दशक बाद पहली बार स्पीकर के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया। यह सब कुछ दो से 13 फरवरी के बीच हुआ।

यह 12 दिन का समय राहुल गांधी की राजनीति के लिए बहुत अच्छा रहा। वे इस 12 दिन की राजनीति के केंद्र में रहे। दो फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर उनके भाषण देने से विवाद शुरू हुआ और उनके खिलाफ मोशन लाए जाने के बाद सदन की कार्यवाही आठ मार्च तक स्थगित हुई। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि हुई और सत्र के बीच अमेरिका के साथ संधि की घोषणा हुई। इसी बीच एपस्टीन फाइल्स के पन्ने खुले, जिसमें एक केंद्रीय मंत्री और एक कारोबारी के एपस्टीन से संपर्कों की कहानियां आईं। इन तमाम घटनाओं ने राहुल गांधी को मौका दिया कि वे केंद्र सरकार पर हमलावर रहें। कुछ अंतरराष्ट्रीय हालात और कुछ राहुल गांधी के तेवर से सरकार बैकफुट पर रही। प्रधानमंत्री से लेकर मंत्री तक बचाव की मुद्रा में दिखे। राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्ताव लाना भी घबराहट का ही संकेत है। सोशल मीडिया में नैरेटिव है कि राहुल ने कमाल कर दिया।

इस पूरे घटनाक्रम से राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ा, जिसमें उन्होंने दो बड़ी गलतियां कीं। आत्मविश्वास और अति उत्साह में उन्होंने संसद की सीढ़ियों पर अपने एक साथी सांसद और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार दोस्त' कहा। यह राहुल गांधी की अपनी छवि के बिल्कुल उलट बात थी। दूसरी गलती उन्होंने यह कर दी कि दो केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रहलाद जोशी की मीडिया से बातचीत के बीच में घुस गए और बोलने लगे। उन्होंने प्रहलाद जोशी का हाथ पकड़ कर उनको रोकने का प्रयास भी किया। इन दोनों घटनाओं को कांग्रेस इकोसिस्टम के लोगों ने खूब प्रचारित किया। उन्होंने इसे ऐसे प्रस्तुत किया, जैसे राहुल के डर से दो मंत्री भाग गए और राहुल ने ठीक किया, जो कांग्रेस छोड़ने वाले बिट्टू को गद्दार कहा। लेकिन ये दोनों घटनाएं सामान्य संसदीय आचरण के अनुरूप नहीं हैं।

बहरहाल, संसद के बजट सत्र में राहुल गांधी चर्चा के केंद्र में रहे। वे एजेंडा सेट करते रहे, जिस पर सरकार जवाब देती रही और बैकफुट पर रही। लेकिन यह पहला सत्र नहीं है, जिसमें राहुल ने महफिल लूटने वाला काम किया है। इससे पहले भी डोकलाम का घटनाक्रम हो या हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट हो, हर बार सत्र में राहुल गांधी हीरो होते हैं। वे अच्छे और लंबे भाषण करते हैं और संसद के पूरे सत्र का एजेंडा सेट कर देते हैं। लेकिन क्या संसद सत्र के दौरान उनके द्वारा की जाने वाली राजनीति चुनाव के मैदान में कांग्रेस को लाभ पहुंचाती है? क्या संसद में वे जो राजनीति करते हैं उससे कांग्रेस संगठन को ताकत मिलती है? यह सही है कि इससे राहुल गांधी की साहसी और निर्भीक नेता की छवि को मजबूती मिलती है और कांग्रेस की चर्चा होती है। लेकिन सत्र समाप्त होने के साथ ही ये चर्चाएं भी समाप्त हो जाती हैं। राहुल गांधी को यह ध्यान रखने की जरुरत है कि राजनीति बिट्स एंड पैचेज में होने वाली चीज नहीं है। संसद सत्र में उनके उठाए मुद्दों से जो माहौल बनता है उसे जनता के बीच ले जाना होता है। इसके लिए पार्टी संगठन को मजबूत करने की जरुरत होती है ताकि मुद्दों पर जमीनी स्तर पर राजनीति हो सके। अफसोस की बात है कि राहुल गांधी यह काम नहीं कर पाते हैं। उन्होंने सत्र के बीच एक दिन किसान बन कर मनरेगा बचाओ आंदोलन में हिस्सा लिया लेकिन 45 दिन का कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान कब शुरू हुआ और कब समाप्त हो गया, यह न तो जमीनी स्तर पर दिखा और न दिल्ली में दिखा।

भारतीय डाक विभाग का सिंधिया ने कर दिया कायाकल्प, गांव से ग्लोबल तक पहुँच हुई और आसान

डाकघर मल्टी-सर्विस सेंटर के रूप में भी तेजी से काम कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, आधार नामांकन केंद्रों ने अब तक 14.45 करोड़ लेन-देन किए हैं। पासपोर्ट सेवा केंद्रों में 2.05 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए।

नीरज कुमार दुबे

भारतीय डाक अब सिर्फ चिट्ठी-पत्री पहुंचाने वाला विभाग नहीं रहा बल्कि यह तेज, तकनीक-सक्षम और बहुआयामी सेवा नेटवर्क में बदल चुका है। इस बदलाव के केंद्र में संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की स्पष्ट सोच, कड़े फैसले और आधुनिक दृष्टि दिखाई देती है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में डाक विभाग ने अपने कामकाज को तीन बड़े स्तंभों पर खड़ा किया है। इसके तहत राजस्व बढ़ाने, कामकाज की गति को तेज और आसान बनाने तथा जमीनी स्तर पर कर्मचारियों को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

वित्तीय आंकड़े इस बदलाव की गवाही देते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में डाक विभाग की कुल आय 10,211 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 8.8% अधिक है। खास बात यह है कि CCS (सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज) में लगभग 95% की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हुई। साथ ही पार्सल और अन्य सेवाओं में भी दो अंकों की वृद्धि हुई है।

'24 स्पीड पोस्ट पार्सल' सेवा के तहत अब बड़े शहरों के बीच अगले दिन डिलीवरी यानि 24 घंटे के भीतर सामान पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों में इसका पायलट चल रहा है और 95% से अधिक डिलीवरी सफलता दर हासिल की गई है। इस सेवा के तहत पैकेजिंग को नया रूप दिया गया है, पोस्टमैन बैग बदले गए हैं और RFID व टेलीमैटिक्स जैसी तकनीक अपनाई जा रही है। स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड पोस्ट को मिलाकर प्रक्रियाएं सरल भी की गई हैं। दूरदराज इलाकों में ड्रोन से डिलीवरी का पायलट चल रहा है, जबकि महानगरों में ई-वाहनों से लास्ट माइल डिलीवरी शुरू की गई है।

इसके अलावा, निर्यात और MSME को नई ताकत देने के लिए देशभर में 1000 से अधिक 'डाक निर्यात केंद्र' बनाए गए हैं। इनके माध्यम से 13 लाख कंसाइनमेंट भेजे गए, जिनकी कुल निर्यात कीमत 303 करोड़ रुपये रही और 135 देशों तक सामान पहुंचाया गया। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के लिए विशेष पायलट भी चल रहा है।

डाकघर मल्टी-सर्विस सेंटर के रूप में भी तेजी से काम कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, आधार नामांकन केंद्रों ने अब तक 14.45 करोड़ लेन-देन किए हैं। पासपोर्ट सेवा केंद्रों में 2.05 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। 13,000 से अधिक डाकघरों में KYC सेवाएं दी जा रही हैं। साथ ही BSNL, SIDBI, AMFI, BSE और NSE के साथ समझौते कर डाकघरों को वित्तीय और डिजिटल सेवाओं का केंद्र बनाया गया है।

इसके अलावा, बीमा और बैंकिंग में भी विस्तार किया जा रहा है। अभी डाक जीवन बीमा की 1.24 करोड़ सक्रिय पॉलिसियां हैं और 2.27 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति प्रबंधन में है। विभाग ने 2028-29 तक 70% कामकाज ऑनलाइन करने का लक्ष्य रखा है। आंकड़ों के मुताबिक, डाक बचत बैंक में 37.36 करोड़ खाते हैं और इनमें 21.77 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के 12.91 करोड़ खाते हो चुके हैं। ई-केवाईसी और वीडियो केवाईसी जैसी डिजिटल सुविधाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं।

तकनीक और ढांचे में सुधार की बात करें तो डाकघरों का पुनर्गठन किया गया है। स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड पोस्ट की प्रोसेसिंग को एक किया गया है। नए एर्गोनोमिक काउंटर, स्मार्ट बुकिंग मशीन और मोबाइल-वेब चैनल शुरू किए गए हैं। साथ ही ग्रामीण डाक सेवकों के सम्मान और संवाद के लिए देशभर में GDS सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें 8,000 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। विभाग के सूत्रों का कहना है कि मार्च 2026 तक 100 "एन-जन" पोस्ट ऑफिस शैक्षणिक परिसरों में खोले जाएंगे, जहां वाई-फाई, कॉफी कॉर्नर और आधुनिक डिजाइन जैसी सुविधाएं होंगी। इसका लाभ यह होगा कि माता पिता अपने बच्चों को कोई सामान सीधे उनके शैक्षणिक संस्थान के भीतर स्थित डाक घर में भेज सकेंगे और छात्र भी कोई सामान उसी डाक घर से बाहर भेज सकेंगे।

देखा जाये तो केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन सुधारों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को जमीन पर उतारते दिख रहे हैं, जिसमें सरकारी सेवाएं सस्ती, सुलभ और डिजिटल हों। 'डिजिटल इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे अभियानों की झलक डाक विभाग के इस कायाकल्प में स्पष्ट दिखाई देती है। गांव-गांव तक फैले डाक नेटवर्क को डिजिटल पहचान, बैंकिंग, बीमा, निर्यात और ई-कॉमर्स से जोड़कर आम नागरिक को उसके घर के पास ही आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कम लागत में तेज सेवा, तकनीक आधारित पारदर्शिता और अंतिम पंक्ति तक पहुंच, यही वह मॉडल है, जिसके जरिए डाक विभाग को नए जमाने की जरूरतों के अनुरूप ढाला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय डाक विभाग कभी धीमी और परंपरागत व्यवस्था का प्रतीक माना जाता था। लेकिन आज तस्वीर बदल रही है। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि ठोस रणनीति, तकनीकी निवेश और कड़े प्रशासनिक फैसलों का परिणाम है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग को सिर्फ सरकारी दफ्तर नहीं, बल्कि एक सेवा-आधारित, प्रतिस्पर्धी और आधुनिक संस्था बना दिया है। राजस्व के नए स्रोत खोलना, निजी क्षेत्र से साझेदारी करना, डिजिटल तकनीक अपनाना और कर्मचारियों को साथ लेकर चलना, आदि जैसे कदम इस बदलाव की रीढ़ हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि गांव से लेकर महानगर तक डाकघर अब बहु-सेवा केंद्र बनते जा रहे हैं। इसके अलावा, तकनीक के माध्यम से डाक विभाग कैसे सेवाएं आसान बना सकता है इसके लिए पहली बार सीटीओ की भी नियुक्ति की गयी है।

बहरहाल, अगर यही गति बनी रही, तो भारतीय डाक विभाग न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक उदाहरण बन सकता है। यह परिवर्तन केवल नीतियों का नहीं, सोच का बदलाव है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

टिप्पणी

एआई बुलबुला फूटा

लिथियम-आयन बैटरियों और सोलर पैनल का आविष्कार अमेरिका में हुआ, लेकिन उनमें कारोबारी दौड़ चीन ने जीती। हाई-टेक चमत्कार को उसने सस्ते माल में बदल दिया, जिससे पश्चिमी कंपनियां होड़ से बाहर हो गईं। चीन यही नजरिया एआई क्षेत्र में अपना रहा है।

एआई इम्पैक्ट समिट की शुरुआत से ठीक पहले चीन की कंपनी बाइटडांस ने वीडियो बनाने में सक्षम नया ओपन सोर्स एआई मॉडल लॉन्च किया, जिससे डीपसीक से मिलती-जुलती सनसनी दुनिया में फैली। सीडडांस 2.0 नाम का ये मॉडल टेक्स्ट, तस्वीर, ऑडियो और वीडियो की एक साथ प्रोसेसिंग में सक्षम बताया गया है। इससे फिल्म निर्माण, ई-कॉमर्स, और विज्ञापन संबंधी उत्पादों को डिजाइन करना सस्ता हो जाएगा। इस घटनाक्रम ने अमेरिका में एआई सेक्टर में हो रहे विशाल निवेश की उपयोगिता पर फिर बहस खड़ी की है। अमेरिकी मॉडल आविष्कार को बौद्धिक संपदा में तब्दील कर मुनाफा कमाने के नजरिए पर केंद्रित है।

इसीलिए वहां इस क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश किया गया है, जिसे अनेक अर्थशास्त्री एआई बुलबुला कहते हैं। वहां की कंपनियां इस सोच को लेकर अपना भविष्य दांव पर लगा रही हैं कि उच्च-गुणवत्ता वाला एआई हमेशा एक लग्जरी प्रोडक्ट रहेगा। मगर चीनी के ओपन-सोर्स डेवलपर्स दिखा रहे हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तव में एक सामान्य वस्तु है। इस सिलसिले में ये उदाहरण दिया गया है कि लिथियम-आयन बैटरियों और सोलर पैनल का आविष्कार अमेरिका में हुआ, लेकिन उनमें कारोबार की दौड़ चीन ने जीती। ऐसा उसने बेहतर आविष्कार के जरिए नहीं किया, बल्कि विशाल पैमाने पर उत्पादन के जरिए बाजार में उसने अपने पांव फैला लिए। यानी हाई-टेक चमत्कार को सस्ते माल में बदल दिया, जिससे पश्चिमी प्रतिस्पर्धी कंपनियां होड़ से बाहर हो गईं। चीनी कंपनियां यही नजरिया एआई के मामले मे अपना रही हैं। मसलन, डीपसीक का रिजनर मॉडल लगभग 55 सेंट प्रति टोकन कीमत पर उपलब्ध है, तो वैसे में लगभग साढ़े पांच डॉलर में चैट जीपीटी के टोकन लेने में कितने लोगों की दिलचस्पी होगी? इसलिए एआई बुलबुले के फूटने की आशंकाएं गहराती चली जा रही हैं। पिछले महीने भारतीय संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में इस घटनाक्रम को लेकर चेतावनी दी गई थी। कहा गया कि अमेरिका में एआई बुलबुला फूटा, तो उसका बहुत खराब असर भारत जैसे देशों पर भी होगा। अभी जबकि नई दिल्ली में एआई समिट में तमाम तरह की बातें हो रही हैं, इस बुनियादी पहलू को याद रखना बेहद जरूरी है।

ब्लॉग

भयाकुल जीवन झूठ की कोयला खदानों में सांस ले रहा

हरिशंकर व्यास

देश इन दिनों सत्य-शोध की कोयला खदान है, जिससे यदा-कदा निकले चमकीले कण दिमाग़ और बुद्धि को खदबदा देते हैं। हाल में रक्षा बजट में एक लाख करोड़ रु. से अधिक बढ़ोतरी की खबर थी। भारत 2026-27 में 2.19 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदेगा। ऐसे ही यूरोपीय संघ के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से व्यापार समझौते की सुर्ख़ी है। मतलब जहाँ सैन्य क्षमताओं में बढ़ोतरी का क़दम, वहीं भारत की आर्थिकी का खुलना। कभी मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे अरविंद सुब्रमण्यम ने लिखा है कि अब भारत विश्व की सर्वाधिक खुली आर्थिकी होने के क़गार पर है! बहुत अच्छा। पर ये फ़ैसले भारत की मजबूरी से हैं या ठोस संकल्प से हैं?

आख़िर चीन से हारने के बाद सैन्य ताक़त का विस्तार तो नेहरू के समय में ही शुरू हो गया था। फिर लालबहादुर शास्त्री ने मुंबई में ट्रॉम्बे में एटमी भट्टी का शिलान्यास किया। इंदिरा गांधी ने परमाणु परीक्षण कराया। नरसिंह राव ने परमाणु बम-मिसाइलें बनवाईं, तो वाजपेयी ने बिना आगे-पीछे सोचे पोखरण में पाँच परीक्षण कर दुनिया को बताया—आज बुद्ध पूर्णिमा है!

ऐसे ही नरसिंह राव ने आर्थिकी खोली। मनमोहन सिंह ने उससे भूमंडलीकरण साधा, तो ट्रंप के झटकों के बाद भारत अब उनकी शर्तों पर व्यापार समझौता किए हुए है। सर्वाधिक खुली आर्थिकी के जुमले बन रहे हैं, तो स्वाभाविक सवाल है—खुलने से हम बाज़ार बनेंगे या समर्थ, आत्मनिर्भर होंगे या आश्रित ? यह मानना तो मूर्खता ही होगी जो सोचे कि चीन डरकर लद्दाख, अरुणाचल से निगाह हटा लेगा या पाकिस्तान की कश्मीर से नज़र हट जाएगी। हक़ीक़त है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक सैन्य जगत में भारत की जो किरकिरी हुई, उसने मोदी सरकार को सैन्य ख़र्च बढ़ाने के लिए मजबूर किया है।

ऐसे ही अमेरिका और यूरोप के साथ व्यापार करार भी भयाकुल मनोदशा में हैं।

यही कलियुगी हिंदुओं का वह इतिहासजनित डीएनए है, चरित्र है, जिसमें मुझे कोयला खदान का बिंब झलकता है! कोई तीन दशक पहले मैंने झारखंड घूमते हुए कोयला खान के मुहाने के घने काले परिवेश में काली धूल में लथपथ जीवन महसूस किया था। मिट्टी, मज़दूरी, झोपड़ियाँ, मज़दूर (आदिवासी बहुल), इन्फ़्रास्ट्रक्चर—सब काली धूल में लथपथ। मानो शनि का घर। फिर घूमते-घूमते कोल इंडिया, स्टील इंडिया के सरकारी प्रतिष्ठान, बोकारो का स्टील प्लांट देखा-समझा, तो दिमाग़ बुरी तरह खदबदाया। मेरी इस सोच को बल मिला कि नेहरू के समाजवाद, लाइसेंस-कोटा-परमिट और अंग्रेज़ विरासत ने सब गुड़गोबर किया है। अर्थात मुस्लिम-मुग़ल लुटेरों-शासकों से जहां हिंदुस्तान खेतीहर पैदावार, हस्तशिल्प की उत्पादकता-व्यापार में लुटा तो अंग्रेज़ हुक्मरानों ने लगान-लूट के अलावा खदानों-कच्चेमाल (माइनिंग), व्यापार (मर्केंटाइल)—यानी कोयले की दलाली—के काले हाथों में हिंदुस्तानियों को रंगा। लुटेरे जगतसेठ पैदा किए। वही दिशा स्वतंत्रता के बाद, प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू से बनी। उन्होंने पुराने अंग्रेज़ मॉडल की विरासत की नींव पर 'आइडिया ऑफ़ इंडिया गढ़ा। ऐसा समाजवाद अपनाया, जो सत्ता द्वारा, सत्ता के ख़ातिर, सत्ता की लूट का तंत्र विकसित करने वाला था। नतीजतन भारत के लोग पावरफ़ुल 'नागरिक बनने की बजाय और अधिक हुकूम के बंधुआ, क़ानूनों में बंधे, माई-बाप सरकार पर आश्रित हुए। नौकरशाही ने समाजवाद के नाम पर आर्थिकी को माइनिंग-मर्केंटाइल के ढाँचे वाली कोयला खान को पुनर्गठित किया!

समय कुछ बदला। सो बुद्धिमान पी. वी. नरसिंह राव की मौन बहादुरी से भारत ने ताज़ा हवा पाई। डॉ. मनमोहन सिंह की दृष्टि, विद्वत्ता से वैश्विक राजधानियों में भारत का मान बना। पर हम हिंदुओं का इतिहास तो भयाकुल क़ौम का है। समर्पण—भूख—भय—भक्ति का है। वह कैसे मिटता? मेरा लिखना इमरजेंसी के समय 1976 से शुरू हुआ है। तब वैश्विक विषयों (सोवियत संघ, शीतयुद्ध, अफ़ग़ानिस्तान आदि) पर लिखता था, तो साम्यवाद, समाजवाद, गरीबी हटाओ, 20 सूत्री कार्यक्रमों से भारत समझ आता था। पूरा ठीकरा नेहरू के आइडिया, समाजवाद, गिरगिटी नौकरशाही की कोयला खदान पर केंद्रीत हुआ। तब भी ज़ाहिर था कि हिंदुओं का वह भक्ति काल है, जो हज़ार साल की ग़ुलामी से पैदा कायरता का बाय-प्रोडक्ट है।

इसलिए मेरे लिए 1977 में कांग्रेस की हार और इंदिरा गांधी की जगह निर्भीकता का मंत्र देने वाले मोरारजी देसाई का शपथ लेना मानो क्रांति के क्षण थे। पर उन्होने भी नेहरू के आइडिया ऑफ़ इंडिया के ढाँचे को नहीं समेटा। उलटे सदियों से सत्ता के लिए फड़फड़ाती क़ौम के नए प्रतिनिधि भुक्खड़ों में घमासान बना। पहले समाजवादी, फिर कम्युनिस्ट नेताओं की वह तोड़फोड़, वह आचरण प्रकट हुआ, जिसमें आयाराम-गयाराम भी हुआ; तो बाँटो और राज करो की मंडल राजनीति, फिर संघ-आडवाणी की कमंडल राजनीति भी खिली। चुपचाप भगवा रंग चढ़ने लगा।

बीच में जरूर नरसिंह राव ने अफ़सरों (शासन) की दख़ल घटाई, भारत खुला; पर सत्ता की भूख, हड़बड़ी (जैसे 1947 से पहले नेहरू-गांधी की थी) भी खुली। मंडल-कमंडल के वे नेता ज़मीनी हल्ला बनाते हुए थे, जिससे देश ने चीन के साथ-साथ उठने के अवसर गँवाए। कम्युनिस्ट सुरजीत-प्रकाश करात, लालू, रामविलास आदि प्रगतिशीलता, सामाजिक न्याय के हवाले अपने ही समर्थ से बनाई मनमोहन सिंह सरकार की नाक में भी दम किया।

कुल मिलाकर आर्थिकी खुली, तब भी देश चीन की तरह फ़ायदा नहीं उठा पाया। हाँ, नारायणमूर्ति जैसे कुछ नए उद्यमियों की बदौलत भारत ज़रूर आईटी क्षेत्र में दुनिया का बैकऑफ़िस, आईटी-कुलियों का सप्लायर देश बना। मेरा मानना है कि ग़ुलामी के इतिहासजन्य डीएनए से हम हिंदू बुद्धि-बल से ज्ञान-विज्ञान-शोध-तकनीक-लेखन में कुछ भी मौलिक रचने में समर्थ नहीं हैं। हमें केवल जुगाड़ आता है। समय रीपिट होता रहता है। अंग्रेज़ों के समय गन्ना पैदा करने वाले किसान विदेश (फ़िजी, मॉरिशस, सूरीनाम आदि) गए। वैसे ही नए मिलेनियम में भारत का योगदान खाड़ी देशों में मज़दूर सप्लाई तथा आईटी-कर्मियों की दुनिया की सेवा था। उसी से अमेरिका, पश्चिमी देशों में भारतीयों का जाना हुआ।

सोचे, प्रवासियों ने जो कमाया, वह किसमें जाया हुआ? केरल के मलयाली परिवार की प्रवासी कमाई हो या पूर्वी यूपी के खाड़ी देशों में गए मज़दूरों की कमाई, या बेंगलुरु के आईटी हब में उत्तर भारत की काम कर रही श्रमशक्ति, या बिहार से देश भर में फैले मज़दूरों की कमाई—इससे देश की शक्ल दो तरह से बदली है। 2010 के बाद का कथित भारत-विकास या तो खपत-बाज़ार बढ़ाने का चक्र लिए हुए है, या टैक्स, जीएसटी से सरकार की फ़िज़ूलख़र्ची (वेतन आयोगों, लुटियन दिल्ली में इमारतें बनाने, इन्फ़्रास्ट्रक्चर, फिर उन्हें क्रोनी पूँजीपतियों को बाँट देना) का वह दुष्चक्र है, जिसके झाँसे, ललक ने घर-परिवारों, नौजवान दंपत्तियों, मध्यवर्ग, निम्न वर्ग, किसान—सभी को क़ज़र् में जीने का आदी बना दिया है। सोचे, कभी भारत का ग़रीब बचत के रिकॉर्ड बनाता था और अब हर कोई क़ज़ोंर् में डूबा है, ख़ैरात पर ज़िंदा है। देश में संतुष्ट, स्वपोषक, आत्मनिर्भर केवल वही आबादी है, जो कोयले की खान की काली कमाई, दलाली से हराम का जीवन जी रहे हैं!

विकास के नाम पर कोयले की खान का क्या रूप-परिवर्तन है? मशीनें चीन की लग गई हैं, भ्रष्टाचार के भरपूर विकास में दुनिया के नंबर एक हैं। पर दिल्ली हो या झारखंड का निवासी—हर भारतीय धुएँ, धूल से फेफड़े काले करते हुए है। मज़दूर हो, आधुनिक गिग वर्कर हो—सब लाचारी, दीनता, क़ज़र् से जीते हुए हैं। पर यह जरूर हुआ सत्ता की काली खान, कोयले के काले धंधों ने नए जगतसेठ पैदा किए। वे सेठ जो सस्ता कच्चा तेल खरीदते हैं, कोयला निकालते हैं और पेट्रोल-डीज़ल-गैस तथा बिजली सब मंहगा भारतीयों को बेचते हैं—तो विदेशियों को भी बेचते हैं। मुग़ल-अंग्रेज़ ज़माने के जगतसेठ अब उन नए चेहरों में कन्वर्ट हैं, जो न हल्दी लगे, न चूना—रंग चोखा आए के नुस्खे में ख़रबपति बनने के वैश्विक रिकॉर्ड बना रहे हैं।

सो वैश्विक पैमाने पर भारत की आर्थिकी सर्वाधिक खुले तब भी क्या होना है? पर खुलना मजबूरी भी है। अमेरिका या योरोप से भारत समझौता न करे, तो सहारा क्या है? भारत किनके बूते दुश्मन चीन और पाकिस्तान से बचेगा? ये वे दो देश हैं, जिनकी चिंता में सरकार ने रक्षा बजट में 2.19 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदने का फैसला किया।

पर क्या सैन्य हथियार ख़रीदने से क्या चीन और पाकिस्तान डरेंगे? हथियार तो हिंदू राजा-रजवाड़े भी रखते थे। उनकी पूजा भी करते थे। मगर ख़ैबर पार से आ रहे हज़ार-पंद्रह सौ घुड़सवारों के आगे भाग खड़े होते थे। लड़ने के बजाए भागने, समर्पण का राजा जुगाड़ तलाशता था।

क्यों? जवाब है कौम का कलियुग की काली बुद्धि, काले शनि की छाया में जो जीना है। याद करें, मोदी सरकार ने राफ़ेल खरीद कर कैसी सूरमाई झांकी बनाई थी। नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह ने पूजा की, काला धागा बाँधा। हुआ क्या? ऑपरेशन सिंदूर के सत्य के लिए वैश्विक रिपोर्ट तलाशीं, तो मालूम हुआ—राफ़ेल का नुक़सान। ट्रंप ने क्या बोला? ज मोदीजी के निजी दोस्त ट्रंप क्या कह रहे थेज़. तब विमान गिर रहे थे, पाँचज छह!

जाहिर है संकट गहरा-दिमागी है। भयाकुल हिंदू जीवन झूठ की कोयला खदानों में सांस ले रहा है। भीड़ अब सनातनी चरित्र वाली नहीं बल्कि उस कायर, कलियुगी जमात की है जो एक सनातनी दंडीधारी शंकराचार्य से सवाल करता है कि साबित करो—तुम शंकराचार्य हो! सनातनी परंपरा के उस प्रतीक से सवाल, जिसका सत्त्व-तत्त्व है—उठो, जागो और श्रेष्ठ को प्राप्त सत्य को जानो, सत्य में ही जियो। (उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत। — कठोपनिषद्)

ध्यान रहे जो कौम बुद्धि श्रेष्ठ, शुद्ध, सत्य लिए नहीं होती वही मनुष्य, देश अपने और सत्य के बीच दूरी बनाता है और सदैव भय में जीता होता है। (यदा ह्येवैष एतस्मिन्नुदरमन्तरं कुरुते, अथ तस्य भयं भवति। — बृहदारण्यक उपनिषद्)। तभी मेरा मानना है—भारत भय, बुद्धिहीनता की वह कोयला खदान है जिससे सब कुछ कलुषित है। काली जुबां है, काले जुगाड़ हैं।

'तुम एक हुसैनी मारोगे, हर घर से एक और हुसैनी निकलेगा...', खामेनेई की मौत पर जौनपुर में आक्रोश

शिया समुदाय ने US-इजरायल के खिलाफ की नारेबाजी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिकी और इजरायली हमले में हुई मौत की खबर ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर में उबाल पैदा कर दिया है। रविवार को जिले के कोने-कोने से हजारों की संख्या में शिया समुदाय के पुरुष, महिलाएं और बच्चे सड़कों पर उतर आए। हाथों में खामेनेई के पोस्टर और काले झंडे लिए प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जौनपुर के कल्लू इमामबाड़ा पर हजारों का हुजूम इकट्ठा हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारियों के बुलंद हौसले और गुस्से ने पूरे माहौल को गमगीन और उत्तेजित कर दिया। भीड़ से एक ही आवाज गूंज रही थी- तुम एक हुसैनी मारोगे, हर घर से एक और हुसैनी निकलेगा"। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शहादत से यह आंदोलन खत्म नहीं होगा, बल्कि और भी मजबूत होकर उभरेगा।

धर्मगुरु कल्बे जवाद का तीखा प्रहार

मशहूर शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने इस हमले को 'कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला' करार दिया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा- अयातुल्ला खामेनेई हमेशा शहादत की दुआ करते थे और वे जंग लड़ते हुए शहीद हुए हैं। हमारे मजहब में शहादत सबसे बड़ा मर्तबा है। खामेनेई का खून रायगा (व्यर्थ) नहीं जाएगा। शहीद के खून के कतरे से वो इंकलाब पैदा होता है जिसमें जालिम डूब जाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को शहीद नहीं किया, बल्कि अपने खुद के 'डेथ वारंट' पर दस्तखत कर दिए हैं। उनकी मौत बेहद बदतर होगी।

3 दिन का शोक और बाजार बंद रखने की अपील

मौलाना कल्बे जवाद ने पूरे देश के शिया समुदाय से तीन दिवसीय शोक मनाने का आह्वान किया है। उन्होंने अपील की है कि लोग स्वेच्छा से अपनी दुकानें और कारोबार बंद रखें। पूरे मुल्क में एक ही समय पर शोक सभाएं और कैंडल मार्च निकाले जाएं। घरों पर काले झंडे लगाकर विरोध दर्ज कराया जाए।

प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जौनपुर में बढ़ते जनाक्रोश को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। कल्लू इमामबाड़ा और संवेदनशील इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

अयातुल्ला अली खामेनेई
इजराइल
ईरान
उत्तर प्रदेश
संयुक्त राज्य अमेरिका

डीएम का आदेश भी एसडीएम की नजर में बौना

आर्यावर्त संवाददाता

मिल्कीपुर-अयोध्या। अमानीगंज विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पूरा उर्फ सुमेरपुर में सरकारी भूमि पर आंगनवाड़ी भवन एवं आरसीसी सेंटर का निर्माण स्थानीय तहसील प्रशासन के चलते ढुलमुल रवैया के चलते अधर में लटका पड़ा है। जिलाधिकारी द्वारा ग्राम समाज की जमीन में निर्माण कराए जाने का आदेश भी एसडीएम की नजर में बौना बना हुआ है। जिसके चलते ग्राम प्रधान आदर्श श्रीवास्तव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में प्रधान ने ग्राम पंचायत में प्रस्तावित आंगनबाड़ी केंद्र एवं आरआरसी सेंटर निर्माण को लेकर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्राम प्रधान के अनुसार ग्राम सभा के राजस्व अभिलेखों में बंजर खाते में दर्ज सरकारी भूमि में आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण कराए जाने का प्रस्ताव भूमि प्रबंध समिति से पारित होने के बाद शासन से निर्माण की स्वीकृति मिली और कार्य शुरू भी हुआ। लेकिन गांव के कुछ लोगों ने विरोध करते हुए निर्माणाधीन ढांचे को गिरा दिया। इस संबंध में उन्होंने स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराने की बात कही। उनका आरोप है कि केस दर्ज होने के बावजूद निर्माण कार्य रुकवा दिया गया। प्रधान ने बताया कि उन्होंने कई बार मिल्कीपुर के उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार से मुलाकात की। हर बार आश्वासन मिला कि निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने एसडीएम पर भी मौके पर न पहुंचने और कार्य शुरू न कराने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि जब स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ की शरण ली, जहां से ग्राम पंचायत के पक्ष में निर्माण कार्य कराने का आदेश मिला। इसके बावजूद बीते शनिवार की रात कथित रूप से एसडीएम द्वारा उसी गाटा संख्या में किसी अन्य व्यक्ति से निर्माण शुरू करा दिया गया।

चलती स्कूल बस का फर्श टूटा, पहिये के नीचे कुचली गई 6 साल की अनन्या

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़-कासगंज मार्ग पर शनिवार दोपहर एक रूह कंपा देने वाला हादसा हुआ। माउंट इंटरनेशनल स्कूल की एक जर्जर बस में सवार यूकेजी की छात्रा अनन्या की चलती बस के टूटे फर्श से नीचे गिरकर मौत हो गई। बस का फर्श इतना कमजोर था कि वह अचानक धंस गया और मासूम सीधे पिछले पहिये के नीचे आ गई। मृतक छात्रा अनन्या (6 वर्ष) अपने बड़े भाई गोलू (कक्षा 3) के साथ रोज की तरह स्कूल से घर लौट रही थी।

चश्मदीदों के अनुसार, जैसे ही बस ढोलना इलाके के पास पहुंची, अनन्या जिस सीट पर बैठी थी उसके नीचे का फर्श अचानक टूट गया। अनन्या को नीचे गिरता देख उसका भाई गोलू जोर-जोर से चिल्लाने लगा। भाई की चीखें सुनकर चालक ने बस रोकी, लेकिन तब तक अनन्या बस के टायर के नीचे कुचली जा चुकी थी।

चालक की लापरवाही और परिजनों का गुस्सा

हादसे के बाद चालक ने लहूलुहान अनन्या को उठाकर बस की पिछली सीट पर लिटा दिया और परिजनों को केवल चोट लगने की सूचना दी। जब हकीकत सामने आई तो ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। भागते हुए चालक को लोगों ने पकड़ लिया और सड़क पर जाम लगाकर जोरदार हंगामा किया। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अनन्या के पिता रवि, जो गंगीरी चौराहे पर जनसेवा केंद्र चलाते हैं, अपनी लाड़ली की मौत की खबर सुनकर बेसुध हैं। घर का चिराग बुझने से पूरे गांव में मातम पसरा है। अनन्या यूकेजी की छात्रा थी और अपने भाई के साथ सुनहरे भविष्य के सपने बुन रही थी, जिसे स्कूल प्रबंधन की लापरवाही ने हमेशा के लिए खत्म कर दिया।

प्रशासनिक कार्रवाई और स्कूल का पक्ष

सीओ संजीव कुमार ने बताया कि हादसा कासगंज जिले के ढोलना थाना क्षेत्र में हुआ है, इसलिए शव को पोस्टमार्टम के लिए वहीं भेजा गया है। पिता की तहरीर पर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने इसे केवल एक 'हादसा' बताते हुए पल्ला झाड़ लिया है, जिससे अभिभावकों में भारी आक्रोश है।

आत्मनिर्भरता तब होगी जब हमारी अभियांत्रिकी मजबूत होगी : प्रो. राजीव त्रिपाठी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह के निर्देशन में इस वर्ष की थीम "वूमेन इन साइंस कैटालाइजिंग विकसित भारत" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के लिए प्रेजेंटेशन, पोस्टर, मॉडल, क्विज एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व निदेशक एवं राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति प्रो. राजीव त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर पूर्वांञ्चल विश्वविद्यालय के प्रो. बृज बिहारी तिवारी रहे। कार्यक्रम के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. गंगाराम मिश्र ने स्वागत करते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया।

ईरान-सऊदी संघर्ष से यूपी में भी टेंशन : अरब देशों में रह रहे भारतीय युवाओं के परिवार मांग रहे सलामती की दुआएं

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। ईरान पर हो रहे इजरायली और अमेरिकी हमलों की गूंज उत्तर प्रदेश तक सुनाई दे रहे हैं। इन हमलों ने राज्य के कई जिले के लोगों को बेचैन कर दिया है, जिनके परिजन या रिश्तेदार इन देशों में रह रहे हैं, वो अब अपनों की सलामती के लिए दुआ कर रहे हैं। लोगों ने कहा कि लगातार हो रहे हमलों की खबरों को लेकर चिंतित हैं। इसके अलावा परिजन उनसे संपर्क में रहकर खैरियत की जानकारी ले रहे हैं।

हापुड़ के बुलंदशहर रोड स्थित आवास विकास कॉलोनी निवासी स्वतंत्रता सेनानी परिवार से फसीह अहमद चौधरी के बेटे खलिक चौधरी यूएई के अबुधावी में रहते हैं। शनिवार को दोपहर को ईरान ने अबुधावी में स्थित अमेरिकी एयर बेस पर हमला किया। इसकी सूचना मिलने पर पूरा परिवार चिंता में पड़ गया। इसके अलावा उनका एक बेटा दुबई में भी

रहते है। ऐसे में पूरा परिवार उनसे लगातार संपर्क कर रहे हैं।

परिजनों ने की बेटे से बात

वहीं फसीह अहमद ने बताया कि अबू धाबी में रह रहे बेटे खलिक ने बताया कि जिस स्थान पर स्ट्राइक हुई है वह उनके यहां से काफी दूर है और सभी सुरक्षित हैं। इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने राहत की सांस ली। उनकी मां मुशर्रफ चौधरी और भाई फराज चौधरी के साथ पूरा परिवार युद्ध को लेकर काफी परेशान है। सभी लोग अपनों की सलामती के लिए दुआ कर रहे हैं।

इन देशों में हैं भारतीय नागरिक

इसके अलावा जिले के अन्य क्षेत्रों से भी अनेक नागरिक नौकरी करने के लिए सऊदी अरब, दुबई, ईरान आदि देश में मौजूद हैं। यही वजह है कि इनके परिवारों की चिंता बढ़ गई है। जिस तरह से ईरान मिसाइल अटैक कर रहा है और जिस तरह से ईरान पर हमला हो रहे हैं, उससे लोगों में डर है। ज्यादातर लोग अपने रिश्तेदारों के और सगे संबंधियों के संपर्क में हैं, और उनकी सलामती के लिए दुआ कर रहे हैं। nदरअसल, स्वतंत्रता सेनानी परिवार के फसीह चौधरी पिछले कई सालों से हापुड़ में गनहाउस चलाते हैं और उनकी पत्नी समाजसेविका हैं। उनका बच्चा अबुधावी में अपना व्यापार करते हैं और जब उन्हें इजरायल , ईरान युद्ध की जानकारी हुई और उस युद्ध की लपटे अबुधावी तक पहुंची तो उनका परिवार चिंतित हो गया, जिसके बाद उन्होंने अपनी बच्चों से संपर्क किया। उनका कहना है कि उनका परिवार वहां पर सुरक्षित है लेकिन भारत सरकार को इस मामले में युद्ध पर विराम कराने की अपील करनी चाहिए।

सपा कार्यालय पर रोजा इफ्तार पार्टी का हुआ आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व सपा महानगर / अयोध्या विधानसभा के संयोजन में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया, रोजा इफ्तार में बड़ी संख्या में रोजा खोलकर मुल्क में अमन चैन और देश की तरक्की के लिए दुआ मांगी, इफ्तार बाद नमाज टाटशाह मस्जिद के नायब इमाम हाफिज मो0 शादाब साहब ने पढायी, मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा रमजान मुबारक इबादत का महीना है इस महीने हमारे मुस्लिम समाज के लोग रोजा रखते हैं और देश में अमन चैन कायम रहे इसकी दुआ करते है ,रोजा इफ्तार आपसी भाइचारे का संदेश भी देता है इसमे सभी धर्मों के लोग साथ बैठकर रोजा इफ्तार करते है, महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि बड़ी संख्या में आज हमारे मुस्लिम भाइयों ने इफ्तार पार्टी में शिरकत की जिसके लिए मैं दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं अयोध्या विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया इस मौके पर अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद सांसद प्रतिनिधि नि0 महासचिव हामिद जाफर मीसम, विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, प्रवक्ता राकेश यादव,रियाज अहमद टेनी, राकेश पांडे , प्रवीण,पूर्व पार्षद फरीद कुरैशी,मोहम्मद राशिद, रिजवान हसनैन ,शादाब खान, मोहम्मद हलीम पप्पू, एडवोकेट शावेज जाफरी,बख्तियार खान जेपी यादव, मंसूर प्रधान, बब्बन प्रधान, एडवोकेट मंसूर इलाही,नूर बाबु, मो0 जैग़म , अली शाईद, अपर्णा जायसवाल, हाजी असद अहमद,, दान बहादुर सिंह,हर्षित पाठक,मोहम्मद जैगम, इरशाद इदरीसी, अमृत राजपाल, असलम भाई,अनस खान, सलीम भाई, सनी मिर्जा,इश्तियाक खान सिराज, इमरान, सानू, असलम, आदि लोग मौजूद रहे।

मानवाधिकार एसोसिएशन की बैठक में संगठन विस्तार पर बनी रणनीति

अयोध्या। जनपद में इंडियन मानवाधिकार एसोसिएशन की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन के विस्तार, आगामी रणनीति एवं सदस्यों के दायित्वों के निर्धारण पर व्यापक चर्चा करना रहा, ताकि मानवाधिकार अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू कराने की दिशा में ठोस पहल की जा सके। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.एस. यादव के दिशा-निर्देशों के क्रम में महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय लिए गए। सर्वसम्मति से राजेश तिवारी (प्रदेशअध्यक्ष) को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया। साथ ही रामनरेश मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया, जिनके नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की उम्मीद जताई गई।

मोबाइल डेटा डिलीट किया, लैपटॉप तोड़ा... फिर पिता की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को मारी गोली, नोएडा में 12वीं के छात्र ने क्यों दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां बादलपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत धूम मानिकपुर गांव में 12वीं कक्षा के छात्र ने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गंभीर हालत में परिजन उसे तत्काल पास के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान देवकरण पुत्र प्रवीण रावल (18 साला) के रूप में हुई है। वो दादरी स्थित एनटीपीसी स्कूल में कक्षा 12वीं का छात्र था और इस वर्ष बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा था। परिवार में माता-पिता और एक छोटा भाई है। मृतक के दादा सेवा से रिटायर हैं और गांव में खेती करते हैं।

पिता किसान होने के साथ-साथ प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम करते हैं।

परिजनों के मुताबिक, पिता ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम देवकरण घर की दूसरी मंजिल पर अपने कमरे में चला गया। उस समय घर के अन्य सदस्य नीचे अपने-अपने काम में व्यस्त थे। कुछ देर बाद अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनते ही उसकी मां छोटा भाई ऊपर पहुंचा तो देखा कि वह खून से लथपथ फर्श पर पड़ा हुआ था और पास में पिता की लाइसेंस की पिस्टल पड़ी है। इसके बाद परिवार में अफरा तफरी मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए। घायल अवस्था में उसे तुरंत पास के नीचे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे बचाने की काफी कोशिश की। लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों के मन में बस यही सवाल है कि आखिर उनके बेटे ने इतना खौफनाक कम क्यों उठा लिया। हालांकि कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब इस मामले में जांच पड़ताल शुरू की तो पता चला कि मृतक का लैपटॉप टूटा हुआ था। मोबाइल में से सारा डेटा भी डिलीट किया हुआ था। हालांकि, परिजनों ने किसी भी विवाद न होने की बात पुलिस को बताई है। थाना प्रभारी बादलपुर अमित कुमार ने बताया- मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। कमरे की तलाशी के दौरान कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

पुलिस का कहना है कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। परिजनों, दोस्तों और परिचितों से पूछताछ की जा रही है। सभी एविडेंस को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया गया है। शव को भी पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधि कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर 12वीं कक्षा के छात्र ने इतना खौफनाक कम किन कारणों से उठाया?

जमीनी विवाद में गोली मारकर युवक की हत्या

गोसाईगंज-अयोध्या। गोसाईंगंज कोतवाली इलाके में जमीनी विवाद को लेकर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या से पहले दोनो पक्षो में जमकर वाद-विवाद व गाली गलौज भी हुआ। जिसके बाद एक युवक ने उस पर फायर कर दिया। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा। परिजनों ने उसे लेकर मंडलीय चिकित्सालय दर्शननगर पहुंचे जंहा चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस ने पिता समेत तीन पुत्रो के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में टीम को लगा दी है।परिजनों के मुताबिक अंकारीपुर गांव निवासी भूपेंद्र सिंह 40 पुत्र सुरेंद्र सिंह ने काजीपुर गाडर (मन्डा का कोटवा) के पास बाईपास पर अपने भाई के नाम यतेंद्र सिंह उर्फ आजाद सिंह के नाम एक माह पूर्व 15 गुणे 80 फिट की एक जमीन सुनीता वर्मा पत्नी सुरेश वर्मा से खरीदा था जिसका विपक्षी विरोध कर रहे थे।

कोर्ट मैरिज के बहाने मथुरा बुलाया, फिर दूल्हे और बारातियों को दिया 'जहर'... क्या था दुल्हन पक्ष का इरादा?

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से मथुरा कोर्ट मैरिज करने पहुंचे एक परिवार के साथ सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शादी की रस्मों से पहले ही लड़की पक्ष ने दूल्हे और उसके परिजनों को नशीला नाश्ता कराकर अचेत कर दिया। गनीमत रही कि दूल्हे की बहन ने नाश्ता नहीं किया था, जिसकी सूझबूझ से एक बड़ी अनहोनी टल गई।फिरोजाबाद के थाना नारखी अंतर्गत गांव जौंधरी निवासी 26 वर्षीय सचिन का रिश्ता टूंडला में मिले दो अज्ञात युवकों ने तय कराया था। उन्होंने खुद को लड़की का हितैषी बताते हुए ग्राम प्रधान के जरिए यह रिश्ता करवाया था। शनिवार को सचिन अपने पिता सुभाष चंद्र, भाई छोटू, बहन मधु और अन्य रिश्तेदारों के साथ कोर्ट मैरिज के लिए मथुरा पहुंचा था।

पीड़ित परिवार के अनुसार, मथुरा की एक धर्मशाला में रुकते ही लड़की पक्ष के लोगों ने उन्हें नाश्ता परोसा। नाश्ता करते ही दूल्हा सचिन, उसके पिता और भाई समेत परिवार के 5 लोग बेहोश होने लगे। दूल्हे की बहन मधु ने नाश्ता नहीं किया था। जैसे ही उसने परिजनों की हालत बिगड़ती देखी, उसने तुरंत कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और फिरोजाबाद में अपने अन्य रिश्तेदारों को फोन कर लोकेशन शेयर की।

लूटपाट की थी साजिश?

मधु के शोर मचाने और दरवाजा बंद कर लेने के कारण लड़की पक्ष के लोग वहां से भाग खड़े हुए। परिजनों का अंदेशा है कि शादी के बहाने उन्हें बुलाकर नशीला पदार्थ खिलाया गया ताकि उनसे नकदी और जेवरात लूटे जा सकें।

अस्पताल में भर्ती और पुलिस जांच

सूचना मिलते ही फिरोजाबाद से पहुंचे अन्य परिजन अचेत अवस्था में सभी सदस्यों को सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए, जहां उनका उपचार जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गोवर्धन थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस उन दो बिचौलियों की तलाश कर रही है जिन्होंने ग्राम प्रधान के जरिए यह रिश्ता तय कराया था। धर्मशाला के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

रक्तदान के लिए राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन को मिला सम्मान

अयोध्या। रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृट योगदान के लिए जिले की चर्चित संस्था राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन को बलरामपुर जिले में स्थित अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कालेज में ब्लड बैंक द्वारा आयोजित भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस मौक़े पर 50 अन्य संस्थाओ को भी सम्मानित किया गया। ब्लड मैन के नाम से चर्चित संस्था के अध्यक्ष आकाश गुप्ता व महासचिव विजय वर्मा को प्रमाणपत्र, अंगवस्त्र व मोमेंटो मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार चतुर्वेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश रस्तोगी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राज कुमार वर्मा एवं ब्लड बैंक की डॉ आकांक्षा शुक्ला ने संयुक्त रूप से प्रदान करते हुए संस्था के कार्यों की सराहना किया। ज्ञातव्य हो कि संस्था राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन सन 2016 से अभी तक 180 से ज्यादा रक्तदान शिविर का आयोजन कर करीब दस हज़ार से ज्यादा मरीजों को ख़ून उपलब्ध करा चुकी है और सस्था को वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड लंदन सहित देश के दस से ज्यादा राज्यों में सम्मानित हो चुकी है

सुलझ गई सहारनपुर की मर्डर मिस्ट्री, दोस्त ने ही की थी पैसों के लिए रोहित की हत्या, फिर कार में...

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के गागलहेड़ी क्षेत्र में 25 फरवरी को सड़क किनारे जली हुई ऑल्टो कार में मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। डीएनए जांच और परिजनों की शिनाख्त के बाद स्पष्ट हो गया है कि मृतक फतेहपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर कंधेला गांव का निवासी रोहित था। ये कोई हादसा नहीं, बल्कि पैसों के लेनदेन में की गई एक सुनियोजित हत्या थी।

बुधवार को चौराखुर्द और अमरपुर के जंगल के पास एक जली हुई ऑल्टो कार मिली थी, जिसमें रोहित का शव पूरी तरह झुलसा हुआ था। आरोपियों ने इसे सड़क हादसे का रूप देने के लिए कार में आग लगा दी थी ताकि पहचान मिटाई जा सके। हालांकि, मौके से मिली एक चप्पल और तेल की कैन ने पुलिस के

शक को पुख्ता कर दिया कि यह हत्या है। खुद SSP अभिनंदन ने मौके का मुआयना कर फॉरेंसिक जांच के आदेश दिए थे।

1.60 लाख रुपये और दोस्ती का कत्ल

जांच में सामने आया कि रोहित ने अपने परिचित अर्जुन से 1.60 लाख रुपये उधार लिए थे। रुपयों की वापसी को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी विवाद के चलते अर्जुन और उसके साथियों ने मिलकर रोहित की हत्या कर दी और फिर साक्ष्य मिटाने के लिए उसे कार सहित जला दिया।

मां की गवाही और DNA से हुई पहचान

शुरुआत में शव को किसी अन्य युवक का माना जा रहा था, लेकिन शुक्रवार को रोहित की मां बबीता ने थाने पहुंचकर उसके लापता होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रोहित का अर्जुन के पास आना-जाना था। इसके बाद पुलिस ने अर्जुन को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो परतें खुलती चली गईं। रविवार (आज) पुलिस इस पूरे हत्याकांड का आधिकारिक तौर पर खुलासा करेगी।

बिखर गया परिवार: पीछे छूट गईं दो मासूम बेटियां

रोहित अपने परिवार का एकमात्र सहारा और सबसे बड़ा बेटा था। उसकी मौत ने पूरे परिवार को बेसहारा कर दिया है। पत्नी पिंकी पैरालिसिस (लकवा) से पीड़ित है। वहीं। दो बेटियों महक (7 वर्ष) और इशानी (3 वर्ष) के सिर से पिता का साया छिन गया। शनिवार देर शाम डीएनए रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंपा, जिसके बाद रोहित का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

केमिकल मिले रंगों से सावधान: इस होली हल्दी और फूलों से घर पर बनाएं ऑर्गेनिक रंग-गुलाल, 10 आसान तरीके

एक समय था, जब लोग फूलों की पंखुड़ियों, टेसू के फूलों से बने रंगों और गुलाल से होली खेलते थे। अब बाजार में केमिकल वाले रंगों का चलन बढ़ गया है। इन रंगों में मौजूद केमिकल्स हमारी स्किन, बालों और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। ये रंग इतने हार्ड होते हैं कि बॉडी पर मॉइश्चराइजर या तेल लगाने के बाद भी आसानी से नहीं छूटते हैं।

ऐसे में अगर आप बाजार के केमिकल युक्त रंगों से बचना चाहते हैं तो घर पर ही ऑर्गेनिक रंग-गुलाल तैयार कर सकते हैं। ये न केवल स्किन और बालों के लिए सुरक्षित होते हैं, बल्कि इन्हें बनाना भी बेहद आसान है। तो चलिए, आज जरूरत की खबर में बात करेंगे ऑर्गेनिक रंग-गुलाल की। साथ ही जानेंगे कि-

घर पर ऑर्गेनिक रंग-गुलाल कैसे बना सकते हैं?

इन्हें बनाने के लिए किन चीजों की जरूरत होती है?

सवाल- सिंथेटिक रंगों में कौन से केमिकल मिलाए जाते हैं और ये कितने खतरनाक होते हैं? जवाब- इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, बाजार में मिलने वाले अधिकांश रंगों में खतरनाक केमिकल्स मिले होते हैं। इससे स्किन एलर्जी, आंखों में जलन और अस्थमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

स्टडी ये भी बताती है कि सिंथेटिक रंग बच्चों के लिए ज्यादा नुकसानदायक है। नीचे दिए ग्राफिक से समझिए कि सिंथेटिक रंग हमारी सेहत के लिए कितने खतरनाक हैं।

सवाल- होली के लिए घर पर ऑर्गेनिक रंग-गुलाल कैसे बना सकते हैं? जवाब- ऑर्गेनिक रंग न केवल सुरक्षित होते हैं, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी अच्छे होते हैं। घर पर ऑर्गेनिक रंग-गुलाल बनाने के लिए कुछ नेचुरल सामग्री की जरूरत होती है। नीचे पॉइंटर्स में इसे बनाने की विधि समझिए-

संतरा से बनाएं नारंगी रंग

इसके लिए संतरा के छिलकों को सुखाकर उन्हें बारीक पीस लें। इसमें कॉर्न फ्लोर और थोड़ी सी हल्दी डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इसे सूती कपड़े या छलनी से छान लें। आपका नारंगी गुलाल बनकर तैयार है।

चुकंदर से बनाएं गुलाबी रंग

इसके लिए 1-2 चुकंदर लें, उन्हें अच्छे से कद्दूकस कर लें। इसके बाद एक छलनी की मदद से चुकंदर का रस निचोड़ लें और उसमें 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल मिलाएं। आपका गुलाबी रंग तैयार है।

गुलाल बनाने के लिए इसमें लिक्विड की मात्रा के अनुसार कॉर्न फ्लोर डालकर अच्छे से मिलाएं। इस पाउडर को धूप में सुखा लें। इसके बाद मिक्सर में पीसकर सूती कपड़े से छान लें। आपका गुलाल बनकर तैयार है।

गुलाब की पंखुड़ियों और गुड़हल के फूल से बनाएं लाल रंग

गुलाब की पंखुड़ियों और गुड़हल के फूलों को एक घंटे के लिए पानी में भिगो दें और फिर बारीक पीस लें। इसमें कॉर्न फ्लोर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उसे धूप में सुखा लें। जब ये पूरी तरह सूख जाए तो फिर इसे सूती कपड़े से छान लें। अब आपका लाल गुलाल बनकर तैयार है।

हल्दी और बेसन से बनाएं पीला रंग

2 बड़े चम्मच हल्दी पाउडर को 1 कप गर्म पानी के साथ मिलाकर उबालें। इसे एक बड़े ट्रे में डालें और ठंडा होने दें। जब ये ठंडा हो जाए तो इसमें 2 बड़े चम्मच गुलाब जल और 3 कप कॉर्न फ्लोर डालें। इसे अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसे एक बार पीस लें और धूप में सुखाएं। सूखने के बाद इसे सूती कपड़े से छान लें। अब आपका पीला गुलाल तैयार है।

इसके अलावा हल्दी और बेसन को मिक्स करके भी पीला गुलाल बनाया जा सकता है। ऑर्गेनिक रंग-गुलाल बनाने के कुछ और तरीके भी हैं। इसे नीचे दिए ग्राफिक से समझिए-

सवाल- ऑर्गेनिक रंग-गुलाल बनाने में कितना समय लगता है? जवाब- यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन सा रंग किस विधि से बनाना चाहते हैं। अगर आप लिक्विड फॉर्म में रंग बनाना चाहते हैं तो इसमें 10 से 15 मिनट लग सकते हैं। वहीं सूखा रंग या गुलाल बनाने में 2-3 दिन का समय लग सकता है।

सवाल- ऑर्गेनिक कलर के इस्तेमाल के क्या फायदे हैं? जवाब- घर पर बने रंग नेचुरल, इको फ्रेंडली और स्किन के लिए सुरक्षित होते हैं। ये आपके किचन या बगीचे में पाए जाने वाले साधारण, रोजमर्रा की चीजों से बनाए जाते हैं। ऑर्गेनिक रंगों से किसी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होता है। हालांकि कुछ लोगों को इससे स्किन एलर्जी हो सकती है।

सवाल- घर पर रंग-गुलाल बनाते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- घर पर बने रंग सुरक्षित होते हैं, लेकिन इसे बनाते समय कुछ सावधानियां बरतना जरूरी हैं। किसी भी रंग का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इससे कोई एलर्जी तो नहीं है। ऐसी सामग्री का इस्तेमाल करने से बचें, जो जलन पैदा कर सकती है।

पालक से बनाएं हरा रंग

धनिया, पुदीना और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों से हरा रंग बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले इन पत्तियों को धोकर पीस लें, फिर छलनी से छान लें। इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिला लें। आपका हरा रंग तैयार है।

गुलाल बनाने के लिए इस मिश्रण को पर्याप्त कॉर्न फ्लोर में डालकर हाथों से मिलाएं। इसके बाद इसे धूप में सुखाएं। फिर सूती कपड़े से छान लें। आपका हरा गुलाल बनकर तैयार है।

होली का रंग छुड़ाने के घरेलू तरीके : आंखों को रंग से बचाएं, होली खेलने से पहले करें ये 7 काम, नहीं चढ़ेगा रंग

कल पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ होली का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन लोग जमकर मस्ती करते हैं और एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाते हैं। इसके साथ ही गीत-संगीत, गुझिया और ठंडाई का आनंद भी लेते हैं।

सदियों से पानी, गुलाल और रंग से होली खेलने की परंपरा रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों से केमिकल वाले रंगों का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। ये रंग स्किन और बालों के लिए नुकसानदायक होते हैं। ऐसे रंगों को छुड़ाना भी मुश्किल होता है। हालांकि कुछ घरेलू उपाय रंगों को छुड़ाने में मददगार हो सकते हैं।

तो चलिए, आज जरूरत की खबर में होली के रंगों को छुड़ाने के घरेलू नुस्खों के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-

होली खेलने से पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

होली के रंगों को छुड़ाते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए?

एक्सपर्ट: डॉ. आर. अचल पुलस्तेय, आयुर्वेदाचार्य

सवाल- होली खेलने से पहले क्या करें कि स्किन पर रंग ज्यादा न चढ़े? जवाब- इसके लिए होली खेलने से पहले पूरे शरीर पर ऑयल या कोई मॉइश्चराइजर क्रीम लगाएं। साथ ही डार्क कलर के फुल स्लीव्स कपड़े पहनें। इसके अलावा कुछ और बातों का भी ध्यान रखें। इसे नीचे दिए ग्राफिक से समझिए-

सवाल- चेहरे पर लगे रंग को घरेलू तरीकों से कैसे साफ कर सकते हैं? जवाब- चेहरे पर किसी भी गलत प्रोडक्ट के इस्तेमाल से स्किन एलर्जी का खतरा रहता है। इसलिए चेहरे पर लगे होली के रंगों को छुड़ाने के लिए ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके लिए कुछ घरेलू टिप्स अपना सकते हैं। जैसेकि-

हमेशा रंग लगे चेहरे को ताजे पानी से धोएं। कभी भी गर्म पानी का इस्तेमाल न करें। गर्म पानी से स्किन का रंग गाढ़ा हो सकता है और उसे छुड़ाना मुश्किल हो जाता है।

अगर चेहरे पर ज्यादा गहरा रंग लगा है तो एक चुटकी हल्दी में नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर करीब 15 मिनट लगाए रखें। इसके बाद धो लें। इससे रंग कुछ ही देर में छूट जाएगा।

अगर चेहरे का रंग आसानी से नहीं छूट रहा है तो मुल्तानी मिट्टी का पेस्ट बना लें। इसमें नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसे चेहरे पर करीब 15 मिनट लगाकर रखें। इसके बाद धो लें। इससे रंग काफी हद तक छूट जाएगा।

नींबू, बेसन और दूध का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। इससे गाढ़े रंग को छुड़ाने में मदद मिलती है।

कच्चे पपीते को घिसने के बाद उसमें दूध मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इसे चेहरे पर लगाएं। इससे रंग आसानी से छूट सकता है।

ध्यान रखें कि चेहरा धुलने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना न भूलें क्योंकि रंग की वजह से स्किन ड्राई हो सकती है।

सवाल- होली के रंगों से बालों को कैसे बचाएं? जवाब- केमिकल वाले रंग बालों को कमजोर और रूखा बना सकते हैं। इसलिए होली खेलने से पहले बालों में तेल लगा लें। यह बालों के बीच प्रोटेक्टिव लेयर बनाने का काम करता है। इसके अलावा होली के दिन अपने बालों को हमेशा बांधकर रखें। इसके लिए स्कार्फ या कैप पहन सकते हैं।

सवाल- अगर बालों में होली का रंग चला जाए तो उसे कैसे निकाल सकते हैं? जवाब- बालों से रंग निकालते समय भी ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। कई बार जब बालों में सूखा रंग या गुलाल भर जाता है तो लोग उसे रगड़-रगड़ कर साफ करते हैं। इससे बाल उलझ जाते हैं और उनके कमजोर होकर टूटने का खतरा बढ़ जाता है।

इसके लिए किसी चौड़ी कंघी से बाल साफ करें। बालों से सूखे रंग निकालने के लिए तुरंत पानी का इस्तेमाल न करें। इससे रंग बालों की जड़ों में जाकर चिपक सकते हैं।

अगर बालों में गीला रंग लगा है तो सिर को पानी से अच्छी तरह धोएं। बालों में फंसे रंग को जितना हो सके पानी से ही बाहर निकालें। इसके बाद हल्के शैंपू का इस्तेमाल करें।

अगर बालों से रंग आसानी से बाहर निकल नहीं रहा है तो एपल साइडर विनेगर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह रंग को हटाने के साथ-साथ सिर में होने वाली खुजली और इन्फेक्शन को भी कम करता है।

इसके लिए एक मग पानी में डेढ़-दो चम्मच विनेगर मिलाकर बालों को धोएं। इसे तीन-चार मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद बालों को पानी से धोकर साफ कर लें। अब आप देखेंगे कि आपके बालों से रंग आसानी से निकल गया होगा।

सवाल- स्किन से होली के रंगों को कैसे साफ किया जा सकता है? जवाब- स्किन पर लगे होली के रंगों को छुड़ाना अपने आपमें एक बड़ा चैलेंज है। हालांकि कुछ घरेलू उपायों के साथ इसे छुड़ाया जा सकता है।

सवाल- होली के रंग छुड़ाते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- होली का रंग छुड़ाते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। रंग छुड़ाते समय स्किन ज्यादा रगड़ने से उसमें जलन या रैशेज हो सकते हैं। इसलिए हल्के हाथों से ही सफाई करें। रंगों को छुड़ाने के लिए लोग कई बार साबुन या शैंपू का इस्तेमाल करते हैं। इससे स्किन ड्राई हो सकती है।

होली का रंग कहीं डाल न दे परीक्षाओं में भंग, पेरेंटिंग काउंसलर से सीखें तालमेल बैठाने के टिप्स

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान होली का त्योहार आना बच्चों और उनके माता-पिता दोनों के लिए ही एक समस्या बन जाता है। अगर बच्चों को होली खेलने से रो

रंगों का त्योहार हर मन को आकर्षित करता है, मगर जब यह त्योहार आता है, तब बोर्ड परीक्षाओं का भी समय होता है। हर अभिभावक के मन में यही उथल-पुथल होती है कि बच्चों को होली खेलने से कैसे मना करें कि उन्हें बुरा भी न लगे। माता-पिता बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं और बच्चे त्योहार न मना पाने के कारण अनमने या नाराज हो जाते हैं।

साथ बैठकर करें चर्चा

सबसे पहले तो माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों से कहें कि आप उनके उत्साह को समझते हैं। इससे बच्चों को लगेगा कि आप उनकी भावनाओं की कद्र करते हैं। अब साथ बैठकर चर्चा करें कि परीक्षाओं के बीच बच्चे होली खेलें या नहीं। इसके लिए सबसे पहले अपनी आशंकाओं को बताएं, फिर संभावित विकल्प निकालने का प्रयास करें। हर विकल्प के फायदे-नुकसान देखें और जो सबसे उचित हो, उस पर अमल करें। इस तरह जब आप बच्चों को सीधे तौर पर होली ना खेलने देने के बजाय स्पष्ट रूप से समस्या पर विचार-विमर्श करेंगे तो बच्चा जरूर समझेगा कि आप उसकी इच्छा को गंभीरता से ले रहे हैं और वह आपके फैसले को समझने की कोशिश भी करेंगे।

जो न खेलें होली तो...

अगर आप इस बात को लेकर निर्णय ले रहे हैं कि बच्चे इस साल होली न खेलें तो उन्हें इस तरह समझाएं कि यह त्योहार तो हर वर्ष आता है पर परीक्षा का महत्वपूर्ण वर्ष नहीं। आज की गई मेहनत के फल पर उन्हें कल गर्व होगा। जो बात आज बंधन लग रही है, बाद में उसी के कारण सेलिब्रेशन होगा। उन्हें समझाएं कि परीक्षा के समय हर मिनट कितना कीमती होता है। उन्हें यह भी बताएं कि कई बार होली के दौरान प्रयोग होने वाले रंग अस्वास्थ्यकर होते हैं तथा परीक्षा के दौरान बीमार पड़ने से उनकी परीक्षाएं और प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है।

हर चीज का हो संतुलन

अगर आपको लगता है कि बच्चे ने पर्याप्त तैयारी कर ली है तो आप उसे होली खेलने के लिए एक निश्चित टाइम फ्रेम दे सकते हैं। होली खेलने जाने से पहले ही खेलकर आने का शेड्यूल तय करें व सुरक्षित होली खेलने के लिए कहें। इस दिन घर के बाकी सदस्य भी नियत समय तक ही होली खेलें, ताकि बच्चे को मनोबल मिले।

सुनिश्चित करें कि बच्चों की परीक्षा की तैयारी पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े। इसका मूलमंत्र है- जिम्मेदारी और मस्ती के बीच संतुलन! इस दिन घर के बाकी सदस्य भी संयम से होली खेलें। होली खेलने के बाद बच्चे को थोड़ा आराम करने दें और फिर तय शेड्यूल फालो करने के लिए प्रेरित करें। बाद में बच्चों की प्रशंसा करना ना भूलें कि उन्होंने मस्ती और पढ़ाई का सही सामंजस्य बनाया। इससे बच्चों में आत्मविश्वास और अनुशासन बढ़ता है।

क्या ग्रीन स्टील का इस्तेमाल होने से कार्बन उत्सर्जन हो रहा कम?

सीआईआई व क्लाइमेट कैटालिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी परियोजनाओं में ग्रीन स्टील अनिवार्य करने से 2030 तक बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन में कमी आ सकती है और इस्पात क्षेत्र को कम-कार्बन उत्पादन की ओर तेजी से बढ़ावा मिलेगा, जबकि परियोजनाओं की लागत पर असर बहुत सीमित रहेगा।

सरकारी परियोजनाओं में 26 प्रतिशत ग्रीन स्टील का इस्तेमाल अनिवार्य होने से साल 2030 तक 20.9 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम किया जा सकता है। अगर ग्रीन स्टील की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत हो जाए तो इसके बाद 29.7 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचा जा सकता है। यह हर वर्ष लगभ 90 लाख कारों को सड़कों से हटाने के बराबर है। यह जानकारी कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री यानी सीआईआई व क्लाइमेट कैटालिस्ट की ओर से गुरुवार को जारी आकलन रिपोर्ट में आए हैं।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

सीआईआई के कार्यकारी निदेशक और ग्लोबल इकोलेबलिंग नेटवर्क बोर्ड के अध्यक्ष के. एस. वेंकटगिरी ने कहा कि 'ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट भारत के इस्पात क्षेत्र को कम कार्बन उत्पादन की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

क्लाइमेट कैटालिस्ट की निदेशक साक्षी बलानी ने कहा, ग्रीन स्टील को लेकर एक मजबूत आदेश भारत के इस्पात क्षेत्र को किसी भी सब्सिडी या तकनीकी प्रोत्साहन से तेज गति से बदल सकता है। ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट ही कार्बन उत्सर्जन घटा सकता है, बड़े पैमाने पर निवेश खोल सकता है।

इससे जुड़ी खास बातें

अगर इस्पात मंत्रालय साल 2028 में 26 प्रतिशत खरीद अनिवार्य कर दे तो 93 प्रतिशत इस्पात कंपनियां प्रमाणित ग्रीन स्टील के लिए तैयार है।

अभी सार्वजनिक खरीद पर प्रतिवर्ष लगभग 45-50 लाख करोड़ रुपये खर्च कर लगभग 3.16 करोड़ टन स्टील की खपत होती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0, मेट्रो रेल परियोजनाएं और रेल परियोजनाओं में ग्रीन स्टील के उपयोग से परियोजना लागत केवल 0.2 प्रतिशत से 1.2 प्रतिशत तक बढ़ती है।

ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट इस दशक में भारत के इस्पात क्षेत्र की जलवायु महत्वाकांक्षाओं को ठोस और मापने योग्य कार्रवाई में बदलने का सबसे प्रभावी साधन है।

बिना जोखिम के अपनी गाढ़ी कमाई बढ़ाना चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस की 'ग्राम प्रिया स्कीम' एक शानदार विकल्प है। सिर्फ 10 साल की इस सरकारी योजना में हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा कर आप 7।25 लाख रुपये का गारंटीड फंड बना सकते हैं। इसमें शानदार रिटर्न के साथ-साथ परिवार की सुरक्षा के लिए लाइफ इंश्योरेंस भी मिलता है।

पोस्ट ऑफिस की धांसू स्कीम, गारंटीड मिलेंगे 7.25 लाख रुपये! पैसा डूबने का डर भी नहीं

आज के आर्थिक परिवेश में, जहां महंगाई तेजी से बढ़ रही है, सुरक्षित और मुनाफेदार निवेश हर किसी की पहली प्राथमिकता बन गया है। शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में रिटर्न भले ही ज्यादा मिल सकता है, लेकिन वहां वित्तीय जोखिम भी उसी अनुपात में बना रहता है। ऐसे में कई लोग ऐसी जगह निवेश करना चाहता है जहां पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहे। इसी जरूरत को समझते हुए भारतीय डाकघर (Post Office) ने कई शानदार योजनाएं पेश की है । इसी में से एक योजना है 'ग्राम प्रिया स्कीम'। यह रूरल पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (RPLI) के तहत आने वाली एक ऐसी मनी-बैक पॉलिसी है, जो न केवल निवेश को सुरक्षित रखती है, बल्कि एक तय समय के बाद गारंटीड बोनस के साथ बेहतरीन रिटर्न भी देती है।

कैसे मिलेंगे 7।25 लाख रुपये?

ग्राम प्रिया स्कीम की कुल अवधि मात्र 10 साल तय की गई है। अगर आप इस योजना में हर महीने 5,042 रुपये का प्रीमियम जमा करते हैं, तो 10 साल पूरे होने पर मैच्योरिटी राशि के रूप में आपको 7।25 लाख रुपये का शानदार फंड मिलेगा।

ईरान के हमले से भड़का कतर-सऊदी और यूएई, जंग में कूदने के दिए संकेत

नियमों के अनुसार, इस योजना में न्यूनतम सम एश्योर्ड (बीमा राशि) 10,000 रुपये और अधिकतम 5 लाख रुपये है। डाकघर इस स्कीम में हर साल प्रति हजार रुपये के सम एश्योर्ड पर 45 रुपये का बोनस देता है। गणित के हिसाब से समझें तो 5 लाख के सम एश्योर्ड पर सालाना बोनस 22,500 रुपये बनता है। यह बोनस 10 सालों में जुड़कर 2,25,000 रुपये हो जाता है। इस बोनस और आपके 5 लाख के सम एश्योर्ड (जिसका एक हिस्सा मनी-बैक के रूप में मिलता रहता है) को मिलाकर कुल 7।25 लाख रुपये का लाभ मिलता है। बीच-बीच में मिलने वाली किस्तों से घर की छोटी-बड़ी आर्थिक जरूरतें भी आसानी से पूरी होती रहती हैं।

अनहोनी की स्थिति में परिवार को मिलेगा सहारा

ग्राम प्रिया केवल एक निवेश योजना नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवन बीमा भी है। मल्होत्रा समिति की सिफारिशों के आधार पर शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भारत में बीमा कवरेज की स्थिति को सुधारना था। एक समय था जब देश की केवल 22 प्रतिशत आबादी के पास ही जीवन बीमा मौजूद था, लेकिन आज इस योजना ने लाखों ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा के दायरे में ला दिया है।

इस योजना की सबसे बड़ी ताकत इसका डेथ बेनिफिट है। अगर पॉलिसी अवधि के दौरान दुर्भाग्यवश पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो नॉमिनी को तुरंत पूरा सम एश्योर्ड दे दिया जाता है। इस स्थिति में परिवार को न तो बचे हुए प्रीमियम भरने की चिंता करनी होती है और न ही 10 साल पूरे होने का इंतजार करना पड़ता है।

निवेश शुरू करने से पहले इन नियमों को समझ लें

किसी भी वित्तीय योजना में पैसा लगाने से पहले उसके नियम व शर्तों को समझना एक जागरूक निवेशक की निशानी है। यह योजना पूरी तरह से भारत सरकार के अधीन संचालित होती है, इसलिए बाजार के उतार-चढ़ाव का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि यह 10 साल की एक प्रतिबद्धता है। आपको नियमित रूप से अपनी प्रीमियम राशि जमा करनी होगी। यदि प्रीमियम भरने में चूक होती है, तो पॉलिसी लैप्स हो सकती है और आपको इसके पूर्ण लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, इस स्कीम में मैच्योरिटी से पहले पैसा निकालने (प्री-मैच्योर विड्रॉल) के विकल्प काफी सीमित होते हैं। इसलिए, इस स्कीम को एक अनुशासित और फिक्स्ड सेविंग प्लान मानकर ही अपना निवेश शुरू करें।

'अगर अटैक किया तो ऐसी ताकत से हमला करेगा, जो कभी देखा नहीं होगा' ट्रंप की ईरान को नई धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के संयुक्त हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। ईरान ने खामेनेई की मौत का बदला लेने की धमकी देते हुए इस्राइल और अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमले जारी कर दिए है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को नई चेतावनी जारी कर दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट में लिखा, 'ईरान ने अभी-अभी कहा है कि वे आज बहुत जोरदार हमला करेंगे, जितना उन्होंने पहले कभी नहीं किया। लेकिन उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि अगर उन्होंने ऐसा किया, तो हम उन पर ऐसी ताकत से हमला करेंगे जो पहले कभी नहीं देखी गई।'

व्हाइट हाउस ने किया ईरान पर हमले के फैसले का बचाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर घातक हमला करने के फैसले का व्हाइट हाउस ने बचाव किया। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि मिसाइल खतरों और परमाणु गतिविधियों से संबंधित खुफिया जानकारी ने अमेरिका के पास 'कोई विकल्प नहीं' छोड़ा था।

एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' को जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि पूर्व-नियोजित और रक्षात्मक कार्रवाई बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने फैसला किया कि वह चुपचाप बैठकर क्षेत्र में अमेरिकी सेनाओं को पारंपरिक मिसाइलों के हमलों का सामना नहीं करने देंगे।

ईरान पर क्या थी हमले की वजह?

नाम न छापने की शर्त पर बोलते हुए, अधिकारियों ने बताया कि तात्कालिक चिंता दक्षिणी क्षेत्र में ईरान की 'पारंपरिक मिसाइल क्षमता' और परमाणु हथियार हासिल करने की उसकी काफी पुरानी इच्छा थी। एक अधिकारी के अनुसार, खुफिया जानकारी से संकेत मिला है कि ईरान उन मिसाइलों का इस्तेमाल 'संभावित रूप से पूर्वव्यापी' तरीके से कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि पहले हमले का इंतजार करने से हताहतों और नुकसान की संख्या 'काफी अधिक' हो सकती थी। एक अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि हम उनके हाथों बंधक नहीं बनेंगे और न ही उन्हें हम पर पहले हमला करने देंगे। अधिकारियों ने ईरान पर जवाबी कार्रवाई में नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला करने का आरोप लगाया।

ओमान से दुबई, हाइफा और रियाद तक ईरानी हमलों की दहशत

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब कई देशों तक फैलता दिखाई दे रहा है। अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई तेज हो गई है और खाड़ी क्षेत्र के अहम समुद्री, हवाई और आर्थिक ठिकाने निशाने पर आ गए हैं। ओमान के समुद्री इलाके से लेकर दुबई, इस्राइल के हाइफा बंदरगाह और सऊदी अरब की राजधानी रियाद तक धमाकों और हमलों की खबरों ने क्षेत्रीय सुरक्षा को गंभीर चुनौती दे दी है।

ओमान के समुद्र में हुआ हमला

ओमान के मसंदम तट से करीब पांच नॉटिकल मील दूर एक ऑयल टैंकर पर हमला किया गया। ओमान के मैरिटाइम सिक्योरिटी सेंटर के मुताबिक स्कायलाइट नाम के जहाज को निशाना बनाया गया, जिसमें चार लोग घायल हुए। जहाज पर मौजूद 20 सदस्यीय क्रू को सुरक्षित निकाल लिया गया। ओमानी नौसेना और सेना ने राहत अभियान चलाया। यह हमला ऐसे समय हुआ जब ओमान हाल ही में ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था।

दुबई एयरस्पेस और बुनियादी ढांचे पर कितना असर पड़ा?

ईरानी जवाबी हमलों के बाद संयुक्त अरब अमीरात में हालात अचानक बदल गए। दुबई और अबू धाबी से आने-जाने वाली एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जो दुनिया का सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा माना जाता है, अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। रात के हमलों में कुछ ढांचागत नुकसान की भी रिपोर्ट सामने आई। यूएई नेतृत्व ने ईरान की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के हमलों से क्षेत्रीय अस्थिरता और बढ़ेगी।

हाइफा पोर्ट और इस्राइल की सप्लाई लाइन पर क्या असर पड़ा?

इस्राइल के हाइफा पोर्ट प्रशासन ने बयान जारी कर कहा कि सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं और बंदरगाह सामान्य रूप से काम कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार बंदरगाह की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और परिवहन मंत्रालय के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। हाइफा पोर्ट इस्राइल की अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सप्लाई चेन का अहम केंद्र है, इसलिए किसी भी खतरे को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

रियाद और खाड़ी क्षेत्र में कैसे बढ़ा तनाव?

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के पूर्वी हिस्से में जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई।

स्थानीय लोगों ने आसमान में धुआं उठते देखा।

क्षेत्र में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की खबरें सामने आईं।

खाड़ी देशों में सुरक्षा अलर्ट बढ़ाया गया।

कई देशों ने हवाई और सैन्य निगरानी तेज कर दी।

क्या ईरान अंतरराष्ट्रीय दबाव में आ गया है?

यूएई राष्ट्रपति के सलाहकार अनवर गर्गाश ने कहा कि खाड़ी देशों पर हमले करके ईरान खुद को अलग-थलग कर रहा है। उनके अनुसार यह संघर्ष पड़ोसी देशों के खिलाफ नहीं होना चाहिए था। लगातार हमलों के कारण समुद्री व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर पड़ रहा है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि अगर तनाव जल्द नहीं रुका तो पश्चिम एशिया में बड़ा भू-राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है।

'ईरान ने की राष्ट्रपति ट्रंप को मारने की कोशिश', अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में किया बड़ा दावा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हवाई हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की मौत हो गई है। कल तड़के सुबह इस्राइल ने ईरान के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। ये हमले ईरान के मिलिट्री बेस, एयरफील्ड और सरकारी स्थानों को निशाना बनाकर किए गए। आज भी ईरान में हमलों का दौर जारी है। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र (UN) में अमेरिका ने बड़ा दावा किया। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरानी सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे और प्रॉक्सी के माध्यम से मारने की कोशिश की।

'ईरान इस्राइल को खत्म करना चाहता था'

यूएन सुरक्षा परिषद (UNSC) में माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरान 47 वर्षों से लगातार 'अमेरिका को मौत' का नारा दे रहा है और इस्राइल को समाप्त करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ हमले करने, UN चार्टर का उल्लंघन करने और मिडिल ईस्ट में शांति के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया।

'ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई'

वॉल्ट्ज ने कहा कि ईरान ने ट्रंप को मारने के प्रयास किए और खुद को पीड़ित बताते हुए अपनी कार्रवाइयों को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान की गतिविधियां अमेरिका, उसके सैनिकों, बेस, सहयोगियों और दुनिया भर के पार्टनर्स के लिए खतरा हैं।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका का बचाव

अमेरिकी-इस्राइल ऑपरेशन को लेकर अमेरिका ने UNSC में कहा कि यह UN चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत, देश और उसके सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैध कदम है। वाल्ट्ज ने यह भी बताया कि ईरानी लोग इन हमलों पर शिकायत नहीं कर रहे, बल्कि जश्न मना रहे हैं, शायद वे अपनी आजादी की उम्मीद जता रहे हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर जम्मू-कश्मीर में आक्रोश, उमर अब्दुल्ला बोले- जो दुखी उन्हें शांति से दुख मनाने दिया जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान पर अमेरिका इजरायल के साझा अटैक के बाद भारत से भी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई की मौत पर अपनी चिंता जाहिर की है। अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईरान में घट रही घटनाओं, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या भी शामिल है, को लेकर मैं अत्यंत चिंतित हूँ। मैं सभी समुदायों से शांति बनाए रखने, शांति का समर्थन करने और तनाव या अशांति पैदा करने वाले किसी भी कार्य से बचने की अपील करता हूँ। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जम्मू और कश्मीर में शोक मना रहे लोगों को शांतिपूर्वक शोक मनाने की अनुमति दी जाए। पुलिस और प्रशासन को अत्यधिक संयम बरतना चाहिए और बल प्रयोग या प्रतिबंधात्मक उपायों से बचना चाहिए। जम्मू और कश्मीर सरकार, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर ईरान में मौजूद जम्मू-कश्मीर निवासियों, जिनमें छात्र भी शामिल हैं, की सुरक्षा और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय में है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई की इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए एक बड़े हमले में मौत हो गयी है। ईरान की सरकारी मीडिया ने रविवार तड़के इसकी पुष्टि की। इस घटना ने ईरान के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले खोमेनेई की मौत की घोषणा करते हुए कहा कि इससे ईरानियों को अपने देश की बागडोर अपने हाथों में ''वापस लेने का सबसे बड़ा मौका'' मिला है। यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी 'एयरबस' द्वारा ली गयी सैटेलाइट तस्वीरों में वह स्थान भारी बमबारी से क्षतिग्रस्त दिखायी दिया, जहां खामेनेई की मौत हुई है।

पश्चिमी एशिया में बढ़ेगा तनाव? ओवैसी बोले- ईरान पर ट्रंप-इजराइल का हमला पूरी तरह से अनैतिक

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को ईरान पर ट्रंप-इजराइल के हमलों और अफगानिस्तान में पाकिस्तान की कार्रवाइयों की कड़ी निंदा करते हुए चेतावनी दी कि अगर ये हमले तुरंत नहीं रुके तो पूरा क्षेत्र अस्थिरता की चपेट में आ जाएगा। X पर एक पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि ये हमले पूरी तरह से निंदनीय हैं और इन्हें अनैतिक और गैरकानूनी कृत्य बताया। उन्होंने प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। ओवैसी ने लिखा कि ईरान पर ट्रंप-इजराइल के हमले पूरी तरह से निंदनीय हैं। खासकर तब जब ईरान-अमेरिका जिनेवा में थे। ईरान भर में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें एक गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में मारे गए 108 लोग भी शामिल हैं। यह पूरी तरह से अनैतिक और गैरकानूनी कृत्य है। मेरी गहरी संवेदनाएं। ईरान पर ये हमले जल्द से जल्द बंद होने चाहिए, अन्यथा पूरा क्षेत्र अस्थिरता की चपेट में आ जाएगा। हमें याद रखना चाहिए कि इस क्षेत्र में 1 करोड़ 10 करोड़ भारतीय काम करते हैं। उन्होंने ईरान पर इजरायल के हमले और अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की आक्रामकता की भी आलोचना करते हुए कहा कि ये दोनों घटनाएं दर्शाती हैं कि ये दोनों राष्ट्र अपने-अपने पड़ोस में आक्रामकता और उपद्रव की ताकतें हैं। उन्होंने कहा कि ईरान पर इजरायल का हमला और अफगानिस्तान पर पाकिस्तान का हमला हमें दिखाता है कि इजरायल और पाकिस्तान अपने-अपने पड़ोस में आक्रामकता और उपद्रव की ताकतें हैं। यह निंदा ऐसे समय में आई है जब इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा ईरान के ठिकानों पर समन्वित सैन्य हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है।

कोर्ट से बरी होने के बाद गरजे अरविंद केजरीवाल, बोले- मोदी-शाह की 4 साल की कंस्पायरेसी फेल हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को जंतर-मंतर पर एक रैली को संबोधित करते हुए अदालत के हालिया फैसले की सराहना की, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश की जनता के हित में बताया। दो दिन पहले सुनाए गए अदालती आदेश का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि परसों दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली और देश की जनता के पक्ष में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। मैं दिल्ली और देश की जनता को बधाई देना चाहता हूं। मैं न्यायाधीश को धन्यवाद देना चाहता हूं। आज के भय के माहौल में न्यायाधीश ने इतना साहसिक फैसला सुनाया है।

यह रैली दिल्ली की अदालत द्वारा केजरीवाल, दिल्ली के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को दिल्ली आबकारी पुलिस मामले में बरी किए जाने के बाद आयोजित की गई। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उनके और उनकी पार्टी के खिलाफ साजिश रच रहे थे। उन्होंने कहा कि चार साल तक मोदी जी और अमित शाह ने दिल्ली की जनता को परेशान करने की साजिश रची। उन्होंने कहा कि केजरीवाल भ्रष्ट हैं, केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपये लिए हैं, उन्होंने जनता को तंग किया। जज ने फैसला सुनाया है कि मोदी जी, आप झूठ बोल रहे हैं, मामला फर्जी है और केजरीवाल ईमानदार हैं। वकील कह रहे हैं कि ऐसा फैसला सदियों बाद आया है।

भाजपा नेतृत्व पर निशाना साधते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आप को खत्म करने के लिए मोदी जी खुद इस मामले की निगरानी कर रहे थे। लेकिन यह फैसला मोदी जी, अमित शाह और भाजपा के मुंह पर करारा तमाचा है। अपने निजी जीवन के बारे में बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मुझे अपने देश से बहुत प्यार है। जब मैं आईआईटी में पढ़ रहा था, तब मेरे अच्छे अंक आए थे। अगर मैं चाहता तो नौकरी के लिए अमेरिका जा सकता था, लेकिन मैंने सोचा कि देश की हालत इतनी खराब है, इसकी देखभाल कौन करेगा? मैंने आयकर विभाग में नौकरी कर ली। मेरे सामने जो पहला मामला आया, उसमें एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने पूछा कि इसमें कितना पैसा लगेगा। मैंने कहा कि मैं रिश्वत नहीं लेता। पूरे विभाग में लोग मेरी ईमानदारी की कसम खाते थे।

उन्होंने आगे कहा कि मैं मुख्यमंत्री बना, और फिर प्रधानमंत्री मोदी जी ने मेरे खिलाफ न जाने कितनी जांचें करवाईं, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। कांग्रेस और भाजपा दोनों को निशाना बनाते हुए केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार से परेशान जनता ने भाजपा सरकार को पूर्ण बहुमत दिया। लेकिन 12 वर्षों में उन्हें क्या मिला? न अच्छी सड़कें हैं, न पानी। रेलवे, एयरलाइन, बैंक, शिक्षा - सब कुछ आज बर्बाद हो चुका है।

फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' में महेश मांजरेकर आएंगे नजर, रंगमंच पर भी करेंगे कई साल बाद वापसी

महेश मांजरेकर ने हिंदी फिल्मों में बतौर निर्देशक और अभिनेता अलग छाप छोड़ी है। जल्द ही उनका एक नया हिंदी नाटक 'एनिमल' दर्शकों को देखने को मिलेगा। वह काफी वक्त के बाद रंगमंच पर वापसी कर रहे हैं। इसके अलावा वह एक फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' का भी हिस्सा हैं।

बड़े पर्दे पर अभिनय और निर्देशन करने के अलावा महेश मांजरेकर की रंगमंच की दुनिया में भी सक्रिय रहे हैं। एक बार फिर से वह थिएटर निर्माता अश्विन गिडवानी के साथ काम कर रहे हैं। इस बार एक हिंदी नाटक 'एनिमल' के साथ महेश रंगमंच पर वापसी कर रहे हैं। कई साल बाद दोनों साथ काम कर रहे हैं, इससे पहले दोनों नए नाटक 'डबल डील' किया था।

महेश मांजरेकर ने संभाली दोहरी भूमिका

हिंदी नाटक 'एनिमल' का निर्देशन महेश मांजरेकर ने किया है। साथ ही वह इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अपने किरदार के बारे में महेश मांजरेकर कहते हैं, 'मेरा किरदार दत्तू कोई हीरो नहीं है। वह असाधारण भी नहीं है। वह मिट्टी से जुड़ा एक साधारण आदमी है, जो सपनों से भरा सूटकेस और भूख से भरा पेट लेकर मुंबई आता है। मैंने ऐसे हजारों लोगों को देखा है। कुछ ही सितारे बनते हैं। अधिकतर परछाइयां बन जाते हैं। मुझे इस किरदार की मासूमियत ने खींचा।' इस किरदार के जरिए महेश झकझोर देनी वाली कहानी दर्शकों को सुनाएंगे। इस नाटक का प्रीमियर शनिवार, 7 मार्च को मुंबई के टाटा थिएटर, एनसीपीए में होगा।

फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' में भी नजर आएंगे महेश मांजरेकर

रंगमंच के अलावा महेश मांजरेकर फिल्मों में भी सक्रिय हैं। वह एक फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' में नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज हुआ है। इस फिल्म में जया प्रधा, जरीना वहाब, विक्रम कोचर, उपासना सिंह, अमित बहल जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। फिल्म को इंद्रजीत लंकेश के डायरेक्ट किया है।

शनाया कपूर की नई फिल्म को नाम मिला जैकब कार्डोसो, रिलीज तारीख पर आया अपडेट

शनाया कपूर ने अपनी हालिया रिलीज एडवेंचर-थ्रिलर फिल्म तू या मैं से सुर्खियां बटोरी थीं। इसमें उनके साथ आदर्श गौरव मुख्य किरदार में थे, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में यह बुरी तरह से नाकामयाब साबित हुई। इस बीच, शनाया अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में आ गई हैं जिसके शीर्षक का खुलासा आखिरकार हो गया है। फिल्म के निर्माता विकेश भूटानी हैं जिन्होंने आधिकारिक तौर पर शीर्षक का खुलासा कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता भूटानी ने बातचीत के दौरान बताया है कि आगामी कॉमेडी फिल्म का शीर्षक जैकब कार्डोसो रखा गया है। शनाया के अलावा, फिल्म में अभय वर्मा मुख्य किरदार में दिखाई देंगे, जिन्हें मुंज्या से लोकप्रियता मिली थी। शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित जैकब कार्डोसो की कहानी कथित तौर पर 1987 के समय पर आधारित है। भूटानी ने बताया, यह गोवा में बनी खूबसूरत फिल्म है, उस समय की कहानी है जब गोवा राज्य बन रहा था।

फिल्म जैकब कार्डोसो की शूटिंग मार्च, 2025 में शुरू हुई थी जो 2 महीने में पूरी हो गई। जल्द ही इसकी रिलीज तारीख जारी होगी। आंखों की गुस्ताखियां और तू या मैं के बाद, शनाया की यह तीसरी फिल्म है, जिससे उनके फैंस को काफी उम्मीदें हैं। वहीं अभय की बात करें, तो वह आगामी फिल्म लाइकी लाइका में दिखाई देंगी जिसमें उनके साथ राशा थडानी मुख्य किरदार में दिखेंगी। फिल्म 2026 की गर्मियों में सिनेमाघरों का रुख करेगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com